सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

खुशी और गम एक दूसरे के समांतर चलते हैं जब एक शांत होता है तो दूसरा भी शिथिल पड़ जाता है

वर्ष 01, अंक 233, नई दिल्ली

शनिवार, 04 नवम्बर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा आल इंडिया टुरिस्ट परमिट के अंर्तगत चलने वाले यूरो III/ यूरो IV डीजल वाहनों को दी चलने की छूट

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा सीएक्यूएम के नए निर्देश जारी होने के बाद आज आल इंडिया टुरिस्ट परमिट के अंर्तगत चलने वाले यूरो III/ यूरो IV डीजल वाहनों को चलने की दे दी छुट . इस आदेश में परिवहन विभाग ने साफ किया बस, टूरिस्ट ट्रैवलर, मिनी बस सभी के लिए यह छुट दी है, आदेश की कापी अन्य राज्यो के परिवहन आयुक्त एवम मुख्य सचिव को भी भेज दी गई है जिससे किसी भी राज्य में इन्हे परेशान ना करे। इस आदेश में एक बात और साफ कही गई है की दिल्ली में चल रहे ग्रेप के साथ जो बंदिशें लागू की गई है वह इन पर लागू रहेगी।

GOVERNMENT OF NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI
TRANSPORT DEPARTMENT: STA BRANCH
5/9, UNDER HILL ROAD, DELHI-110054

No. F. TPT/AS/STA/Misc.-4/2021/075681535/101123 Dated: 03/11/23

CIRCULAR

Consequent upon the direction number 78 received from CAQM vide circular dated 19.10.2023 and subsequent circular of this office dated 26.10.2023 circulating the direction number 78 of CAQM for effective implementation, the said direction 78 has been clarified by the CAQM and read as under:-

"While the subject direction number 78 was issued only in the context of inter-state/inter-city public services being operated by the NCR State Governments, including State PSUs and private entities, it is hereby again clarified that these directions shall not be applicable to buses, tempo travellers, mini buses etc. under 'All India Tourist Vehicles (Permit)' serving to the tourism sector."

Therefore, the attention of all concerned are hereby invited to compliance the direction number 78 as per clarification made in respect of original direction of CAQM dated 19.10.2023. The said clarification may be considered in respect of this office circular no. TPT/AS/STA/Misc.-4/2021/075681535/98228/ dated 26.10.2023 without prejudice to the restrictions imposed under GRAP which are automatically applicable as & when situation arise.

Encl: As above.

(Shahzad Alam) I.A.S
Secretary (STA)

No. F. TPT/AS/STA/Misc.-4/2021/075681535/ 101123 Dated: 03/11/23

Copy for information to:-

1. OSD to Hon'ble Minister of Transport, GNCT of Delhi.
2. OSD to Chief Secretary, GNCT of Delhi.
3. PPS to Pr. Secretary-cum-Commissioner (Transport), Transport Department, GNCT of Delhi.

Page1 of 2

advertisement Tariff
w.ef. 1st January 2023

परिवहन विशेष

दिल्ली, एनसीआर से प्रसारित लोकप्रिय साप्ताहिक हिन्दी समाचार पत्र

in Rs. / Sq. Cm.

	Basic	3rd Page	Back Page	Front Page Semi Solus	Fornt Page Solus
Delhi Aur Delhi	BW - Colour	Colour	Colour	Colour	Colour
Delhi	100*	200*	250*	300	300

Special Instructions:-

- Innovation on any page will be accepted at a premium of 100% on applicable card rate.
- Any specified position will be accepted at a premium of 25% on applicable card rate.
- B/W advertisement on page 3/Back will charged at colour rate.
- Classified display advertisement will be charged on basic display rate.
- Pointers 4x4 sq. C. or 5x4 sq. cm. will be charged as per card rate.
- Box reply charges (each box) will be charged Rs. 150/-
- Political advertisement - as applicable.

परिवहन विशेष में विज्ञापन के लिए ऑनलाईन भुगतान सीधे बैंक खाते/फ़ोन पे पर कर सकते हैं और विज्ञापन के मैटर के साथ ऑनलाईन भुगतान की रसीद व्हाट्सऐप नंबर 09212122095 या newstransportvishesh@gmail.com पर भेज सकते है। भुगतान करने के लिए *NEFT / IMPS / RTGS*
Account Name:-Transport Vishesh Limited
IFSC CODE :- INDB0001396
Cur Account no :- 259212122095
या Phone pay :- 9212122095

बिगड़ते हालात पर उपराज्यपाल ने की बैठक, सरकार ने मांगा अधिकारियों का सहयोग, जारी किए ये आदेश

शुक्रवार को उपराज्यपाल वीके सक्सेना की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक हुई। इस बैठक में सभी अधिकारियों को प्लान बनाकर प्रदूषण स्तर को कम करने की दिशा में काम करने का आदेश दिया है।

नई दिल्ली। दिल्ली में खतरनाक हुए प्रदूषण स्तर के बीच शुक्रवार को उपराज्यपाल वीके सक्सेना की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक हुई। इस बैठक में सभी अधिकारियों को प्लान बनाकर प्रदूषण स्तर को कम करने की दिशा में काम करने का आदेश दिया है। साथ ही पड़ोसी राज्यों से सहयोग मांगा गया है। उपराज्यपाल ने एक दीर्घकालिक स्थायी कार्य योजना बनाने का आदेश दिया है। साथ ही इसे सख्ती से लागू करने को कहा है।

इस बैठक में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जगह पर्यावरण मंत्री गोपाल राय शामिल हुए। बैठक में उन्होंने अधिकारियों के सहयोग न करने का मामला उठाया। साथ ही पड़ोसी राज्यों के साथ बैठक कर प्रदूषण फैलाने वाले कारणों पर अंकुश लगाने की अपील की।

बैठक में उपराज्यपाल ने आदेश दिया कि दिल्ली का प्रदूषण स्तर चिंताजनक हो गया है। ऐसे में सभी विभाग और एजेंसियां अपने अधिदेश की परवाह किए बिना प्रदूषण को कम करने की दिशा में काम करेगी। पर्यावरण विभाग लोगों के लिए सलाह जारी करेगा। इसमें कहा जाएगा कि बच्चे और बुजुर्ग अतिरिक्त देखभाल करें। जहां तक संभव हो घर के अंदर रहे। लोगों को अनावश्यक यात्रा न करने की सलाह दी जाएगी। साथ ही सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने को कहा जाएगा, जिससे सड़कों पर वाहनों की कमी हो। इससे कम मात्रा में उत्सर्जन होगा। धूल प्रदूषण में भी कमी आएगी।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के नियम के तहत ग्रैप को सख्ती से लागू किया जाएगा। सभी मैकेनाइज्ड रोड स्वीपर, वॉटर स्प्रिंकलर और एंटी-स्मॉग गन का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग किया जाएगा। इन्हें डबल शिफ्ट में भी चलाया जा सकता है।

प्रदूषण से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से तैयार रहेगा। किसी भी आपातस्थिति के लिए विभाग प्लान तैयार रखेगा। साथ ही फसल के अवशेष को जलाने से रोकने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाएगा। पड़ोसी राज्य खासकर पंजाब से अपील की जाएगी कि वह ऐसी घटनाओं को रोके। ताकि दिल्ली में पराली के धुंए को कम किया जा सकें।

डीपीसीसी चेयरमैन पर हो कार्रवाई

बैठक के बाद गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण को कम करने में स्मॉग टॉवर अहम भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन इन्हें ठप कर दिया गया। इन्हें ठप करने वाले दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के अध्यक्ष पर कार्रवाई होनी चाहिए।

ग्रेप-III लागू होने के बाद दिल्ली मेट्रो ने लिया बड़ा फैसला, जानें डिटेल

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने दिल्ली में बढ़ते हुए प्रदूषण को देखते हुए कंट्रोल पैनल में ग्रेनेड रिस्पांस एक्शन प्लान यानी कि GRAP के तीसरे स्टेज को लागू कर दिया है। दिल्ली की एयर क्वालिटी खराब होने की वजह से कई हिस्सों में प्रदूषण का स्तर इतना खतरनाक पहुंच गया कि लोगों को न सिर्फ स्वास्थ संबंधी समस्या हो रही है, बल्कि आने-जाने में भी काफी परेशानी हो रही है। हालांकि आप प्रदूषण स्तर के बढ़ने और GRAP लागू होने के बाद मेट्रो ने भी एक बड़ा फैसला लिया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने कल यानी की 3 नवंबर 2023 शुक्रवार को अपने नेटवर्क में 20 अतिरिक्त यात्राएं जोड़ने की घोषणा की है। इससे यात्रियों को यात्रा के लिए अतिरिक्त मेट्रो ट्रेनें उपलब्ध रहेंगे।

660 अतिरिक्त यात्राएं-

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि GRAP का दूसरा स्टेज लागू होने के बाद से 25 अक्टूबर से दिल्ली मेट्रो ने पहले ही सप्ताह के दिनों में सोमवार से शुक्रवार तक 40 अतिरिक्त यात्राएं चल रही हैं। इस प्रकार से डीएमआरसी दिल्ली एनसीआर में ज्यादा से ज्यादा लोगों को सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए GRAP-III के तहत 660 अतिरिक्त यात्राएं चलाएगी।

GRAP-III-

GRAP-III के अंतर्गत आने वाली सभी क्रिया

को तत्काल रूप से एनसीआर की सभी एजेंसियों द्वारा लागू किया जाएगा। यह फैसला इसलिए लिया गया है, जिससे दिल्ली में वायु के गुणवत्ता में गिरावट और ज्यादा ना बढ़े इसके लिए GRAP स्टेज 3 को लागू किया है। सरकार ने गुरुग्राम, दिल्ली, गौतम बुद्ध नगर, फरीदाबाद और गाजियाबाद जिलों में BS3 पेट्रोल और BS4 डीजल के संचालक पर बैन लगा दिया है।

स्कूल की पढ़ाई ऑनलाइन-

इसके साथ ही सरकार ने पांचवी तक के स्कूल की पढ़ाई को ऑफलाइन की जगह ऑनलाइन करने का फैसला ले लिया है। GRAP-III के तहत व्यस्त घंटे यानी की पिक टाइम से पहले सड़कों पर हर दिन पानी का छिड़काव करना होगा। उसके बाद सार्वजनिक वाहनों के इस्तेमाल को भी बढ़ना होगा, इसके लिए अलग-अलग किराया तय किया जाएगा। जीससे लोग इसका इस्तेमाल कर सकें।

बस मार्शल भूख हडताल पर ,गुरूद्वारे का लंगर भी बंद

परिवहन विशेष न्यूज

परिवहन विशेष ।एसडी सेठी। डीटीसी में 10 हजार बस मार्शलों को 1 नवंबर से नौकरी से हटा दिया है। ये तमाम बwस मार्शल पिछले 8 साल से राजधानी में केजरीवाल के द्वारा सिविल डिफेंस के हजारों लोगों को बतौर बस मार्शल के महिलाओ की सुरक्षा में तैनात कर मीडिया में जबरदस्त वाहवाही लूटी थी।आज उन्हें 5 महीने से सैलरी नहीं दी गई। अब तो ये आलम है कि सभी बस मार्शलों को नौकरी तक से निकाल दिया। अपने हक के लिए रात-दिन अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन पर बैठी महिला-पुरूष मार्शल के लिए टॉयलेट तक पर ताला ठोक दिया है। इंतहा ये ही नहीं प्रशासन ने गुरूद्वारे की लंगर सेवा तक को भी बंद करवा दिया है। सर्दी के मौसम में खुले आसमान के नीचे बिना कंबल-के ठंड से बेहाल है। महिलाओं को रात-दिन में बियाबान जंगल में जाना पड रहा है।

बता दें कि साल 2015 में निर्भया कांड से पूरी राजधानी हिल गई थी। निर्भया मामले के बाद ही केजरीवाल सरकार ने सभी कायदे कानूनों को ताक पर रखकर मार्शलों की डीटीसी बसों में बतौर सुरक्षा गार्ड के नियुक्तियां कर दी थी। जैसे -तैसे इन मार्शलों को सेलरी देर सवेर दिल्ली सरकार देने लगी। लेकिन जून-जुलाई माह से इन मार्शलों की सेलरी देनी बंद कर दी। अब ये हाल है कि इन्हें पिछले 5 महीने से वेतन नहीं दिया गया है। मार्शलों में महिलाओ समेत करीब 10 हजार से ज्यादा लोग कार्यरत हैं। ये सभी महिला-पुरूष मार्शल वेतन के लिए मुख्यमंत्री से लेकर उपराज्यपाल, परिवहन मंत्री, डीटीसी हेड क्वार्टर, तक पर अपनी फरियाद कर चुके हैं। किसी भी सरकारी अमले, समेत जनता के कथित रहनुमाओ ने सुध तक नही ली है। थक-हार महिला-पुरूष मार्शलों ने आईटीओ स्थित दिल्ली सरकार के सचिवालय के बाहर 24 घंटे सडक पर खुले में अपना धरना-प्रदर्शन में जुटे हुए हैं।अब इन्ही के बीच से 4 मार्शलों ,जिनमें चन्द्र शेखर जोशी,सत्येंद्र शर्मा, अनिल शर्मा, और राकेश कुमार अनिश्चितकालीन भूख हडताल पर बैठे हैं। इस बावत मार्शल आदित्य रॉय ,मुकेश कुमार ने बताया कि प्रशासन ने टॉयलेट,तक पर ताला लगवा दिया है। महिला-पुरुष मार्शलों को मजबूरी में जंगल शौच व पेशाब करने के लिए जाना पड रहा है। पानी की भी कोई व्यवस्था नही है। रात-दिन चल रहे धरने में करीब 35-40 महिला मार्शल हैं।

मार्शल आदित्य रॉय व मुकेश कुमार ने बताया कि पहले धरनास्थल पर गुरूद्वारे की ओर से लंगर का इंतजाम हो गया था। लेकिन वह भी दिल्ली सचिवालय द्वारा मनाही की हिदायत के बाद गुरूद्वारे की लंगर सेवा भी बंद करवा दी गई है। प्रदर्शनकारी जैसे-तैसे भूखे प्यासे धरना-प्रदर्शन पर डटे हुए हैं। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के वकील डॉ.एपी सिंह भी धरना स्थल पर पहुंचें। उन्होने भी मार्शलों हर तरह की

मदद देने का आश्वासन दिया। इससे पहले कांग्रेस दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली भी धरना-प्रदर्शनकारियों को अपना समर्थन दे चुके है।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

कहीं आपका बच्चा बिगड़ तो नहीं रहा? इन 6 संकेतों से पहचानें, समय रहते उठाएं सही कदम वरना पड़ेगा पछताना

बच्चों को एक बेहतर इंसान बनाने के लिए पैरेंट्स को काफी मेहनत करनी होती है. हर कदम फूंक-फूंक कर रखना पड़ता है. यदि बच्चों पर प्रॉपर ध्यान ना दिया जाए तो वे गलत संगत में पड़ जाते हैं, गलत राह पर निकल जाते हैं. इससे उनके अंदर कई बुरी आदतें विकसित हो जाती हैं. आपका बच्चा अगर अभद्र भाषा बोलने लगे, बातों को नजरअंदाज करे तो समझ लें कि आपका बच्चा बिगड़ रहा है. आपका बच्चा बुरी संगत में है और वह बिगड़ रहा है तो इन 6 संकेतों को भूलकर भी ना करें इग्नोर.

हर पैरेंट्स अपने बच्चे को एक बेहतर इंसान बनाना चाहते हैं. उसे अच्छी शिक्षा देना, जीवन में अच्छी बातें सिखाना, दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करना जैसी बातें बच्चों को हर दिन समझाते और बताते हैं. बावजूद इसके कुछ बच्चे गलत राह पर निकल जाते हैं. उनकी संगत, दोस्ती-यारी अच्छी नहीं होती है. ऐसे बच्चे एक दिन मां-बाप से बातें छुपाने लगते हैं. उनसे बात-बात पर बहस करते हैं. झूठ बोलना शुरू कर देते हैं. पैरेंट्स को पलट कर जवाब देते हैं. ये सभी समस्याएं टीनएजर बच्चों में अधिक देखने को मिलती है. ऐसे में 10 से लेकर 12 की उम्र वाले बच्चे पर पहले से ही ध्यान देना जरूरी हो जाता है, ताकि वे टीनएज में पहुंचकर बुरी संगत के कारण बिगड़ ना पाएं. माता-पिता कुछ संकेतों पर गौर करके समझ सकते हैं कि आपका बच्चा बिगड़ रहा है. जानते हैं उन 5 संकेतों के बारे में यहां.

आपका बच्चा बिगड़ रहा है, इन 6 संकतों से जानें

1. एक बात हमेशा ध्यान रखें कि बच्चे अपने आसपास जो भी देखते हैं, सुनते हैं, उसे ही फॉलो करने लगते हैं. स्कूल, पार्क, ट्यूशन आदि जगहों पर वे अपने दोस्तों को जैसा करते और बोलते देखते हैं, उसे ही फॉलो करने लगते हैं. खासकर, यदि संगत सही ना हो तो बच्चों के बिगड़ने की संभावना अधिक रहती है. ऐसे में बेहद जरूरी है कि पैरेंट्स शुरू से ही उनकी बातों, हावभाव पर ध्यान दें ताकि उन्हें बिगड़ने से बचाया जा सके.

2. कुछ बच्चे किसी भी फेवरेट चीज को लेने के लिए जिद पर उतर जाते हैं. इसके लिए वे पैरेंट्स से चिल्लाकर बहस करने लगते हैं. खाना तक नहीं खाते. उन्हें हर हाल में वे चीज चाहिए होती है. 8-10 साल की उम्र के बच्चे में ये आदत अधिक देखने को मिलती है. पैरेंट्स को बच्चे की इस आदत को प्यार से समझाते हुए डील करने की जरूरत है. यदि आप भी चिल्लाकर बोलेंगे तो वे और जिद्दी बनेगा.

3. जिस काम को आप अपने बच्चे को करने से मना कर रही हों, उसे ही वो जान-बूझकर बार-बार करे तो समझ लें कि आपका लाडला या लाडली बिगड़ रही है. वो आपकी बात नहीं सुनता तो दूसरों की क्या सुनेंगा. ऐसे में बेहद जरूरी है कि आप समय रहते ऐसा करने के कारणों और इस संकेत को पहचान लें.

4. यदि आप कोई भी छोटा-मोटा घर का काम करने के लिए बच्चे को बोलें और वह ना करे तो समझ जाएं कि आपका बच्चा बिगड़ रहा है. आपकी बातों को बिल्कुल भी नहीं सुनता है. ऐसा बच्चे तभी करते हैं, जब उनकी दोस्ती, संगति सही नहीं होती है. हो सकता है उसका कोई दोस्त भी अपने पैरेंट्स की बात को नहीं सुनता हो और ये ही बात आपका बच्चा भी सीख गया हो.

5. यदि आपका बच्चा बात-बात में अभद्र भाषा, गाली का इस्तेमाल करने लगा हो तो ये बच्चे के गलत संगत में रहने और बिगड़ने का एक गंभीर संकेत हो सकता है. यदि वे किसी दूसरे बच्चे से लड़ाई-झगड़ा करे, उसे थप्पड़ लगा दे, उसकी पिटाई करके घर आए तो आप अलर्ट हो जाएं. बच्चे के मुंह से किसी भी अभद्र शब्द, भाषा को सुनते ही तुरंत टोकें.

6. यदि बच्चा किसी क्लासमेट या दोस्त का कोई सामान चुरा लेता है और आपको इस बात का पता चल जाए तो उसे तुरंत समझाएं. मारने-पीटने की बजाय उसे प्यार से समझाएं कि चोरी करने का परिणाम क्या हो सकता है. यदि आपका बेटा या बेटी कोई भी किसी दूसरे बच्चे को बार-बार चिढ़ाए, उसे बुली करे तो ये भी आदत सही नहीं है.

बच्चों को एग्जाम से पहले खिलाएं 5 चमत्कारी फूड्स, रॉकेट की रफ्तार से बढ़ेगी मेमोरी, परीक्षा में नंबरों का लग जाएगा अंबार

बच्चों की पढ़ाई के साथ उनके खाने-पीने पर ध्यान देना बेहद जरूरी है. जब बच्चों को पोषक तत्वों से भरपूर खाना मिलेगा, तब उनकी मेमोरी तेज हो जाएगी और पढ़ाई में उनका मन भी लगने लगेगा. आज आपको ऐसे ही करामाती फूड्स के बारे में बता रहे हैं.

आज के जमाने में बच्चों पर कम उम्र से ही पढ़ाई का ज्यादा दबाव रहता है. स्कूल हो या ट्यूशन, बच्चों पर हर एग्जाम में अच्छे नंबर लाने का प्रेशर बना दिया जाता है. इसका बुरा असर उनकी सेहत पर पड़ता है. ज्यादा नंबर लाने के चक्कर में बच्चे पढ़ाई तो खूब करते हैं, लेकिन खाने-पीने पर ध्यान नहीं दे पाते हैं. इससे उनकी फिजिकल ग्रोथ ही नहीं, बल्कि मेंटल ग्रोथ पर भी काफी असर पड़ता है. एग्जाम में सफलता की चाह के चक्कर में स्टूडेंट्स को जरूरी पोषण के महत्व को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. बच्चों के द्वारा खाया जाने वाला खाना सीधे उनके कॉग्निटिव फंक्शन, एनर्जी लेवल और ओवरऑल हेल्थ पर असर डालता है. पेरेंट्स को जरूरत है कि वे बच्चों के खाने-पीने का विशेष ध्यान रखें, जिससे बच्चों को शरीर और दिमाग को जरूरी पोषक तत्व मिलें. ऐसा करने से वे पढ़ाई में अव्वल हो जाएंगे और उनकी मेमोरी तेज हो जाएगी.

वेलनेस कोच डॉ. नंदिता चक्रवर्ती ने TOI को बताया कि बच्चों की हेल्थ को बेहतर बनाए रखने के लिए अच्छी डाइट बेहद जरूरी है. बच्चों को सुबह-सुबह हेल्दी नाश्ता, लंच के साथ पोषक तत्वों से भरपूर स्नैक्स दूध और फल खिलाने चाहिए. चावल या रोटी के साथ दाल और सब्जियों का एक स्वादिष्ट और पोषक तत्वों से भरपूर कॉम्बिनेशन होना चाहिए, जिसे बच्चे स्वाद-स्वाद में चट कर जाएं. इस तरह के संतुलित खाने से यह सुनिश्चित होता है कि बच्चे की हर दिन आवश्यक विटामिन, प्रोटीन और किलोकैलोरी की मात्रा पूरी हो रही है. जिस तरह कार को चलने के लिए अच्छे फ्यूल की जरूरत होती है, ठीक उसी तरह हमारे शरीर और दिमाग को बेस्ट काम करने के लिए उचित पोषण की आवश्यकता होती है. सभी पेरेंट्स को बच्चों को लेकर यह बातें ध्यान रखनी चाहिए.

इन 5 फूड्स से एग्जाम में टॉप करेंगे बच्चे

– एक्सपर्ट के अनुसार ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर चीजें बच्चों का दिमाग शार्प कर सकती हैं. इसके लिए उन्हें अखरोट और अलसी खिलाएं. अगर बच्चा नॉन-वेज खाता है, तो उसकी डाइट में सैल्मन फिश शामिल कर सकते हैं. इससे उसका दिमाग हेल्दी और तेज बन जाएगा.

– एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर रंगीन फलों और सब्जियों का सेवन करने से बच्चों की मेमोरी कंप्यूटर जैसी तेज हो सकती है. इन फल और सब्जियों में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट मस्तिष्क की कोशिकाओं को डैमेज से बचाते हैं और याददाश्त में सुधार करते हैं.

– कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट से भरपूर फूड्स भी बच्चों के लिए बेहद फायदेमंद हो सकते हैं. ब्राउन राइस, जई और क्विनोआ जैसे साबुत अनाज बच्चों को मस्तिष्क के लिए ऊर्जा का एक स्थिर स्रोत प्रदान करते हैं. इससे बच्चों का दिमाग शार्प हो जाता है.

– प्रोटीन से भरपूर फूड्स अच्छी याददाश्त और मानसिक सतर्कता के लिए बेहद जरूरी है. चिकन, बीन्स और टोफू जैसे प्रोटीन के स्रोत न्यूरोट्रांसमीटर उत्पादन में सहायता करते हैं. इससे बच्चों की एकाग्रता बढ़ सकती है।

इस तरह की पैरेंटिंग से आम पैरेंट्स भी बच्चे की नजरों में बन सकते हैं 'हीरो'

पैरेंटिंग के लिए माता-पिता को ज्यादा गुस्सा करने या चिल्लाने जैसी बुरी चीजों से दूर रहना चाहिए। इसका बुरा असर बच्चों पर भी पड़ता है और वो बड़े होकर वायलेंट बिहेवियर अपना सकते हैं। आप अपने बच्चे के लिए calm पैरेंट बनने पर ध्यान दें क्योंकि ये आप दोनों के रिलेशनशिप के लिए अच्छा है।

अगर आप किसी पैरेंट से पूछें कि इस दुनिया का सबसे मुश्किल काम क्या है, तो वो शायद यही कहेंगे कि उनके लिए तो बच्चों को पालना (parenting tips) या उनकी परवरिश करना ही किसी रॉकेट साइंस से कम नहीं है। अमूमन हर पैरेंट को ऐसा ही लगता है क्योंकि उन्हें रोज नई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

कोई भी माता-पिता अपने बच्चे की जिंदगी के विलेन नहीं बनना चाहते हैं। वो बेवजह बच्चों पर चिल्लाते या गुस्सा नहीं करते हैं। कई बार पैरेंट ऐसी स्थिति में फंस जाते हैं, जहां उन्हें चिल्लाने या गुस्सा करने के अलावा और कोई रास्ता दिखाई नहीं देता है। लेकिन बच्चों के साथ इस तरह का व्यवहार नहीं चल पाता है। जब पैरेंट्स खुद ही इस तरह का व्यवहार करने लगेंगे, तो इससे बच्चे भी वायलेंट बन सकते हैं। बच्चों के साथ तो आपको नरमी से ही पेश आना होगा। पहले आप यह जानें कि आपको बच्चे की किस हरकत पर गुस्सा आता है और फिर उस पर काम करना शुरू करें। यहां हम आपको कुछ ऐसे टिप्स या तरीके बता रहे हैं, जिनकी मदद से आप एक शांत और धैर्यशील पैरेंट बन सकते हैं।

लगभग हर माता-पिता को तनाव होता है। कई बार उनका धैर्य भी छूट जाता है। ऐसे में कई बार पैरेंट्स भी इमोशनली कमजोर हो जाते हैं। जब आपको लगे कि आपकी भावनाएं आहत हुई हैं, तो थोड़ा रूक कर बच्चे से बात करें। पहले खुद को संभलने दें और फिर आगे बढ़ें।

सेंस ऑफ ह्यूमर

पैरेंट्स को अपना सेंस ऑफ ह्यूमर अच्छा रखना चाहिए। बच्चों को अपने दोस्तों को घर लाना अच्छा लगता है और गुड ह्यूमर वाले परिवारों में इन चीजों को बढ़ावा दिया जाता है। इससे जिंदगी से स्ट्रेस कम होता है, स्ट्रेस हार्मोंस कम होते हैं, एंडोर्फिन बढ़ता है और इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है।

थोड़ा लचीलापन लाएं

फ्लैक्सिबल पैरेंट्स आमतौर पर खुले विचारों वाले होते हैं। बच्चे के साथ अपने मतभेदों को लेकर ये पैरेंट्स हमेशा शांतिपूर्ण समाधान निकाल लेते हैं। कठोर माता-पिता अपने बच्चों की बात ना मानने को बढ़ावा देते हैं जिससे दोनों के बीच संघर्ष बना रहता है। अगर बच्चे के साथ किसी मुद्दे पर आपके विचार अलग हो रहे हैं, तो इसके लिए कोई शांतिपूर्ण तरीका खोजें।

बच्चों को आत्मनिर्भर बनाएं

हर बच्चा चाहता है कि वो आत्मनिर्भर बने जैसे कि खुद कार चलाए या अपने फैसले खुद ले। गुड पैरेंट्स बच्चों को आत्मनिर्भर बनाते हैं। आप भी अपने बच्चे में यह गुण डालने की कोशिश करें। इससे आप दोनों के बीच के मतभेद कम हो सकते हैं।

ज्यादा सीरियस ना हों

हर बच्चे को अपने आप सीखने दें और उसकी लाइफ को कंट्रोल करने की कोशिश ना करें। पैरेंट्स को अपने बच्चे की डेवलपमेंट और ग्रोथ को बहुत ज्यादा गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। सभी बच्चे चिल्लाते हैं, गुस्सा करते हैं। बच्चे की जरूरतों को समझने की कोशिश करें और उसकी मदद करें।

स्कूल बस या कार में ट्रैवल करते ही बच्चों को होती है वोमिटिंग, 5 बातों का रखें ख्याल, हंसते-खेलते करेंगे सफर

अगर आपके बच्चे को भी कार या बस में ट्रैवल के दौरान वोमिटिंग आती है तो आप कुछ उपायों की मदद से उसे आराम पहुंचा सकते हैं और मोशन सिकनेस की समस्या को रोक सकते हैं.

अक्सर बच्चों में यह समस्या देखने को मिलती है कि चलती गाड़ी में ट्रैवल करने पर वे असहज महसूस करने लगते हैं और वोमिटिंग टेंडेंसी शुरू हो जाती है. ऐसे में वे या तो ट्रैवल नहीं करना चाहते या ट्रैवल को एन्जॉय नहीं कर पाते. लेकिन माता-पिता को समझ नहीं आता कि इस समस्या से बच्चों को किस तरह बचाया जाए. वह इस समस्या को दूर करने के लिए डॉक्टर के पास भी जाते हैं लेकिन इसका कोई मेडिकल इलाज नहीं होता. हम यहां बताते हैं कि मोशन सिकनेस क्यों होता है और बचाव के उपाय क्या हैं.

कार सिकनेस या मोशन सिकनेस क्या है

मायोक्लीनिक के मुताबिक, इसे मोशन सिकनेस या कार सिकनेस के नाम से भी जाना जाता है. मोशन सिकनेस की समस्या तब शुरू होती है जब दिमाग को आंतरिक कान, आंख, ज्वाइंट और मांसपेशियों की नसों से परस्पर गलत जानकारियां मिलती हैं. कल्पना कीजिए कि एक छोटा बच्चा कार की पिछली सीट पर खिड़की से बाहर देख रहा है जिसकी सीट काफी नीचे है या कोई बच्चा कार में किताब पढ़ रहा है. ऐसे में बच्चे के आंतरिक कान को गति का एहसास तो होगा, लेकिन उसकी आंखें और शरीर को नहीं. जिस वजह से पेट अपसेट होना, ठंडा पसीना आना, थकान, भूख न लगना या उल्टी होने जैसी समस्या महसूस होने लगती है. हालांकि यह कुछ बच्चों में ही क्यों होता है इसकी जानकारी स्पष्ट नहीं है. यह समस्या 2 से 12 वर्ष की आयु के बच्चों में अधिक देखने को मिलती है.

ये है कार सिकनेस को रोकने का तरीका

-बच्चों को कहें कि ट्रैवल के दौरान वे किताब या मोबाइल देखने की बजाय बाहर की तरफ देखें. ऐसा करने से समस्या कम होगी. बेहतर होगा कि वे ट्रैवल के दौरान सो जाएं.

-ट्रैवल से तुरंत पहले बच्चों को बहुत अधिक ना खिलाएं. अगर लंबा सफर है तो उन्हें कम मात्रा में हल्का फूड दें. मसलन, ड्राई क्रैकर्स या कुछ पीने की चीज.

-कार में पर्याप्त हवा की व्यवस्था पर ध्यान दें. बंद या सफोकेशन वाली जगह पर सिकनेस ट्रिगर का काम करता है.

-यात्रा के दौरान आप बच्चों के माइंड को डिस्ट्रैक्ट करने का प्रयास करें. मसलन, बात करें, गाना बजाएं या गाना गाएं. ऐसा करने से वे बेहतर महसूस करेंगे.

-अगर फिर भी बच्चे को ट्रैवल में परेशानी होती है तो आप बच्चे के डॉक्टर से संपर्क करें. आप उन्हें ओवर द काउंटर मेडिसीन के लिए पूछ सकते हैं.

-साथ में जिंजर कैंडी कैरी करें और जरूरत पड़ने पर उन्हें मुंह में रखने दें. गहरी सांस लेने कहें इससे तुरंत आराम मिलता है. मिंट और लिवेंटर की खुशबू भी उल्टी रोकने में मदद कर सकता है.

-अगर आपके बच्चे को मोशन सिकनेस महसूस हो रहा है तो तुरंत गाड़ी रोकें और बाहर वॉक करने के लिए कहें. उतरना संभव ना हो तो उसे तुरंत पीठ नीचे करते हुए लेटने के लिए बोलें. सिर पर गीला रुमाल या तौलिया रखें. इस तरह बच्चा बेहतर महसूस करेगा.

दिल्ली में स्कूल बंद, खेल प्रतियोगिताओं पर रोक... निर्माण और तोड़फोड़ पर पांबदी; प्रदूषण को रोकने के लिए सरकार ने कसी कमर

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण ने लोगों के सामने सांसों का संकट खड़ा कर दिया है। राजधानी समेत एनसीआर में हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में पहुंचने के बाद सरकार की ओर से कई सारी पाबंदियां लगाई गईं हैं। सरकार ने प्रदूषण रोकने के लिए नगर सरकार एवं अन्य एजेंसियों को सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली में वायु गुणवत्ता के गंभीर श्रेणी में पहुंचने के बीच प्रदूषण नियंत्रण योजना के तीसरे चरण को लागू कर दिया गया है। सरकार ने प्रदूषण रोकने के लिए नगर सरकार एवं अन्य एजेंसियों को सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

दिल्ली सरकार ने विभिन्न विभागों से कहा है कि नियमों के लागू करने में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसे लेकर पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शुक्रवार को विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि प्रदूषण रोकने के लिए विभिन्न कदम उठाए गए हैं।

इनमें एंटी-स्माग गन तैनात करना और रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ अभियान फिर शुरू करने जैसे कदम शामिल हैं। राष्ट्रीय राजधानी में निर्माण या तोड़फोड़ गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध के साथ चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (जीआरएपी) के तीसरे चरण को लागू किया गया है।

इन वाहनों के संचालन पर रोक

निर्माण एवं विध्वंस कार्यों पर रोक लगा दी गई है। साथ ही बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल एलएमवी (4 पहिया वाहन) के संचालन पर प्रतिबंध लगाया गया है। 5वीं कक्षा तक के स्कूलों में फिजिकल कक्षाएं 4 नवंबर तक बंद रहेंगी। निर्माण कार्यों पर रोक की निगरानी के लिए डीपीसीसी और राजस्व विभाग की टीमें लगातार निरीक्षण करेंगी।

खेल प्रतियोगिताओं पर रोक का निर्देश

इसके अलावा शिक्षा निदेशालय ने प्री-प्राइमरी, प्राइमरी स्कूलों को तीन और चार नवंबर को बंद रखने का आदेश दिया था। निदेशालय ने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को देखते हुए अगले आदेश तक सभी जोनल और राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं को रोकने का का निर्देश दिया है।

ट्रांसपोर्ट विभाग की 84 टीमें तैनात

दिल्ली में 345 वाटर सप्रिंकलिंग मशीनें पानी का छिड़काव कर रही हैं। इसके लिए ट्रांसपोर्ट विभाग द्वारा 84 टीमें लगाई गई है। साथ ही दिल्ली पुलिस की 284 टीमें लगाई गई हैं। सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने और वाहन प्रदूषण को कम करने के लिए ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट इलेक्ट्रिक शटल बस सर्विस सरकारी कर्मचारियों के लिए शुक्रवार से शुरू कर दी है।

ये शटल बस सर्विस किदवई नगर और आरके पुरम से केंद्रीय सचिवालय और गुलाबी बाग से दिल्ली सचिवालय तक चलेगी। यह सुबह 8.30 बजे और 9 बजे इन स्थानों से चलेंगी। साथ ही शाम में 5.30 बजे और 6 बजे चलेंगी। सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को बढ़ाने के लिए बसों के 2400 और मेट्रो के 60 फेरे बढ़ाए गए है।

इनको मिली छूट

रेलवे स्टेशन, मैट्रो, हवाई अड्डे, राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित निर्माण तथा विध्वंस साइट, अंतर्राज्यीय बस अड्डे, अस्पताल, सड़क एवं राजमार्ग, फ्लाईओवर, बिजली, सीवर लाईन, स्वच्छता परियोजनाओं पर निर्माण संबंधी छूट रहेगी। इसके साथ-साथ दिल्ली के अंदर जो इंटीरियर वर्क है, जैसे प्लम्बिंग का कार्य, बिजली फिटिंग का कार्य, फर्निचर का काम की छूट रहेगी।

इन पर पूरी तरह प्रतिबंध

निर्माण और विध्वंस स्थलों पर बोरिंग, ड्रिलिंग, खुदाई तथा भराई के काम पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। निर्माण एवं बिल्डिंग संचालन सहित तमाम संरचनात्मक निर्माण कार्य हैं, उस पर पूरी तरह बैन रहेगा। विध्वंस के कार्य पूरी तरह बैन रहेगा। निर्माण व विध्वंस साइट पर लोडिंग अनलोडिंग पर बैन रहेगा। कच्चे माल के स्थानांतरण मैनुअल और फ्लाइएस सहित बैन रहेगा। कच्ची सड़कों पर वहनों के आने जाने पर बैन रहेगा। टाइलों व पत्थरों के काटने पर बैन रहेगा, फर्श सामग्री के काटने पर बैन रहेगा, पीसने की गतिविधियों पर बैन रहेगा।

सरकार ने इन 14 कामों पर लगाई रोक

- बोरिंग, ड्रिलिंग, खुदाई-भराई पर रोक
- निर्माण कार्यों पर लगी रहेगी रोक
- BS3, BS4 और डीजल वाहनों पर रोक
- कच्चे माल की आवाजाही पर रोक
- बिल्डिंग की तोड़फोड़ पर रोक
- सड़क को पक्की करने के काम पर रोक
- निर्माण संबंधी सामग्री की लोडिंग-अनलोडिंग पर रोक
- पत्थरों और टाइल्स को काटने पर रोक
- पेंटिंग के कामों पर रोक
- सीवर लाइन और ड्रेनेज के कामों पर रोक
- बैचिंग प्लांट के संचालन पर रोक
- पाइलिंग के कामों पर रोक
- कच्ची सड़कों पर वाहनों की आवाजाही पर रोक
- वाटर प्रूफिंग के कामों पर प्रतिबंध

सांसों के संकट से जूझती दिल्ली: सुबह से हुई शाम वायु प्रदूषण से नहीं मिला आराम, हर इलाके में जहरीली है हवा

देश की राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण रोकने के तमाम प्रयास विफल साबित हो रहे हैं। शुक्रवार सुबह 7 बजे ही दिल्ली के लोधी रोड का वायु गुणवत्ता सूचकांक 500 जा पहुंचा। यहां पीएम 2.5 का स्तर 500 मापा गया तो पीएम 10 का स्तर 248 रहा जो बेहद खतरनाक है।

नई दिल्ली। देश की राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण रोकने के तमाम प्रयास विफल साबित हो रहे हैं। यहां सुबह से शाम हो चुकी है लेकिन लोगों को वायु प्रदूषण से अब भी आराम नहीं मिला है। दिल्ली में शाम पांच बजे अधिकतर इलाके का एक्यूआई 450 के पार दर्ज हुआ।

दिल्ली के कुछ ही इलाके ऐसे हैं, जहां एक्यूआई 300 के अंदर है। वरना ज्यादातर इलाकों में एक्यूआई 500 के करीब है।

सुबह से ही कई इलाकों में एक्यूआई 500 के बाहर

शुक्रवार सुबह 7 बजे ही दिल्ली के लोधी रोड का वायु गुणवत्ता सूचकांक 500 जा पहुंचा। यहां पीएम 2.5 का स्तर 500 मापा गया तो पीएम 10 का स्तर 248 रहा जो बेहद खतरनाक है।

वहीं सुबह से ही दिल्ली नगर निगम की गाड़ियां जगह-जगह पानी छिड़काव का कार्य कर रही हैं। लोधी रोड पर भी पेड़ों की धूल आदि को पानी से साफ किया जा रहा है, जिससे

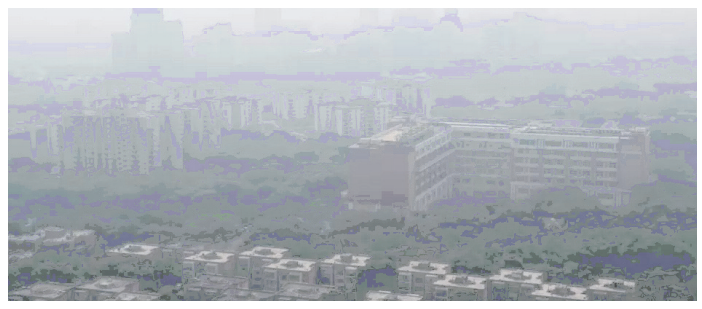

प्रदूषण के स्तर में कुछ कमी आ सके।

वहीं दिल्ली में प्रदूषण की आपात स्थिति को देखते हुए ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) का तृतीय चरण लागू कर दिया गया है। इसके लागू होने से राजधानी में निर्माण कार्यों समेत कई गतिविधियों पर रोक लग गई है। साथ ही दो दिन के लिए राजधानी के कक्षा पांच तक के सभी स्कूलों को भी बंद कर दिया गया है।

ये प्रतिबंध भी लागू होंगे

दीवारों की रंगाई-पुताई पर रोक। इसमें रेलवे, मेट्रो, एयरपोर्ट, आइएसबीटी, राष्ट्रीय सुरक्षा, डिफेंस, राष्ट्रीय महत्व के प्रोजेक्ट शामिल नहीं हैं। प्लंबिंग, इंटीरियर डेकोरेशन, इलेक्ट्रिकल और कारपेंटर को छूट दी गई है।

जो इंडस्ट्री पीएनजी, क्लीन फ्यूल या बायोमास का इस्तेमाल नहीं कर रही हैं, उन्हें हफ्ते में पांच दिन काम की अनुमति होगी। इंडस्ट्री के छोटे-छोटे क्लस्टर बनाकर उनमें अलग-अलग दिन आफ रहेगा।

ईंट भट्ठे, हाट मिक्स प्लांट, स्टोन क्रशर नहीं चलेंगे। इसमें उन्हें छूट रहेगी, जो पीएनजी या बायोमास फ्यूल से चल रहे हैं।

खनन और इससे जुड़ी गतिविधियां बंद रहेंगी।

राज्य सरकारें एनसीआर में पांचवीं तक की पढ़ाई आफलाइन की जगह आनलाइन करने का फैसला कर सकती हैं।

प्रदूषण की रोकथाम के लिए किए जाएंगे ये उपाय

सड़कों को रोजाना मशीनों से साफ किया जाएगा।

व्यस्त सड़कों पर सुबह-शाम पानी का छिड़काव किया जाएगा।

धूल को दबाने के लिए रसायनों का भी उपयोग किया जाएगा।

सार्वजनिक परिवहन सेवा बढ़ेगी।

'बिना शर्त उपराष्ट्रपति से माफी मांगिए', निलंबन मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने आप सांसद को दी नसीहत

आम आदमी पार्टी (AAP) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के निलंबन मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें कड़ी फटकार लगाई है। मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राघव चड्ढा को राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ से बिना शर्त माफी मांगने को कहा है। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को निलंबन मामले में दखल देते हुए कहा कि सभापति सहानुभूतिपूर्वक विचार करेंगे और मामले को आगे बढ़ाएंगे।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (AAP) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के निलंबन मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें कड़ी फटकार लगाई है। मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राघव चड्ढा को राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ से बिना शर्त माफी मांगने को कहा है।

शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को निलंबन मामले में दखल देते हुए कहा कि सभापति सहानुभूतिपूर्वक विचार करेंगे और मामले को आगे बढ़ाएंगे। अब निलंबन मामले की अगली सुनवाई 20 नवंबर को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने आप सांसद की याचिका पर सुनवाई दिवाली की छुट्टियों के बाद निर्धारित की है। साथ ही अटॉर्नी जनरल से इस मामले में आगे के घटनाक्रम की जानकारी देने को कहा है।

दिवाली बाद मामले की होगी सुनवाई

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से दिवाली की छुट्टियों के बाद मामले में हुए घटनाक्रम से उसे अवगत कराने को कहा है। सीजेआई ने कहा कि विधायक को इस मुद्दे पर बिना शर्त माफी मांगने के लिए राज्यसभा अध्यक्ष से मिलना होगा। उपराष्ट्रपति पूरे मामले पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर सकते हैं और इस संबंध में आगे कदम उठा सकते हैं।

क्यों निलंबित हैं राघव चड्ढा?

राघव चड्ढा को 11 अगस्त को राज्यसभा से निलंबित किया गया था। 5 सांसदों ने विशेषाधिकार के उल्लंघन को लेकर राघव के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद उन्हें राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया था। आप नेता पर दिल्ली सेवा विधेयक से संबंधित एक प्रस्ताव में पांच सांसदों के फर्जी हस्ताक्षर करने का आरोप लगाया गया है।

चड्ढा को तब तक के लिए निलंबित किया गया है, जब तक उनके खिलाफ मामले की जांच कर रही विशेषाधिकार समिति अपनी रिपोर्ट नहीं सौंप देती। निलंबन का प्रस्ताव भाजपा सांसद पीयूष गोयल ने पेश किया था।

बैठक में लिए गए कई अहम निर्णय

मुशावरत स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित

शम्स आग़ाज़ जामेई

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस ए मुशावरत स्टैंडिंग कमेटी की बैठक मुशावरत केंद्रीय कार्यालय, नई दिल्ली में फिरोज अहमद एडवोकेट, अध्यक्ष ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस ए मुशावरत की अध्यक्षता में आयोजित की गई और एक राष्ट्रीय सम्मेलन और विषय (हिंसा मुक्त भारत) का प्रस्ताव रखा गया। जिस पर प्रतिभागियों ने अपनी सहमति व्यक्त की और सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 9 दिसंबर को मरकज़ी मजलिस ए मुशावरत (जनरल बॉडी) की बैठक होगी और 10 दिसंबर को दिल्ली में राष्ट्रीय सम्मेलन होगा, जिसमें देश की प्रमुख हस्तियां भाग लेंगी।

इस अवसर पर पद्मश्री प्रोफेसर अख्तर-उल-वासे ने कहा कि सम्मेलन में अन्य धर्मों के नेताओं को आमंत्रित करने में कोई क़बाहत नहीं है क्योंकि भारत एक लोकतांत्रिक देश है और लोकतंत्र का अपना कोई राग नहीं होता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में नज़्म ज़ब्त से काम करने की जरूरत है।

बैठक में मौजूद पूर्व सांसद जनाब मीम अफजल ने मुसलमानों की दुर्दशा पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान में कोई भी राजनीतिक दल मुसलमानों के बारे में बात करने को तैयार नहीं है और इसका कारण यह है कि मुसलमानों के पास

सरकार और राजनीतिक दलों से जवाब मांगने के लिए न तो लीडरशिप है

और ना अधिकारों के लिए लड़ने के लिए न तो कोई नेतृत्व है और न ही कोई मंच, मुसलमान फिलहाल बैकफुट पर है।

जनाब अबरार अहमद (आईआरएस) ने कहा कि मौजूदा हालात में निराश होने की जरूरत नहीं है, बल्कि एकजुट होकर काम

करने की सख्त जरूरत है। जनाब डॉ. तस्लीम रहमानी ने सभी मतभेद भुलाकर एकजुट होने की अपील की।

मीटिंग में भाग लेने वालों ने इंडिया (गठबंधन) में मुसलमानों का प्रतिनिधित्व न होने, चुनाव मुस्लिम उम्मीदवारों पर सेक्युलर पार्टियों के विश्वास की कमी, शैक्षिक और राजनीतिक पिछड़ापन, मॉब लिंचिंग और हिंसा की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। साथ ही मुशावरत को कैसे और कहाँ अधिक सक्रिय किया जा सकता है, इस पर भी चर्चा हुई।

बैठक में सम्मेलन के लिए 6 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया।

बैठक में जनाब सैयद तहसीन अहमद (महासचिव, मुशावरत), जनाब एडवोकेट ऐजाज़ मकबूल, जनाब मुहम्मद मुर्तजा, जनाब इंजीनियर सिकंदर हयात, जनाब सैयद मंसूर आगा, जनाब डॉ. तस्लीम अहमद रहमानी, जनाब शेख मंजूर अहमद (महासचिव, मीडिया), जनाब अबरार अहमद साहब (आईआरएस), जनाब शराफतुल्लाह साहब, जनाब अहमद रज़ा साहब, जनाब मुहम्मद शम्सुज़ जुहा साहब (सचिव), जनाब डॉ. जावेद आलम खान साहब, जनाब हज़रत मौलाना अज़हर मदनी साहब, जनाब हज़रत मौलाना अब्दुल हमीद नौमानी साहब, जनाब सोहेल अंजुम साहब, जनाब डॉ. सैयद अहमद खान साहब, जनाब ज़िक्र रहमान साहब (पूर्व राजदूत, भारत) और जनाब कासिम सैयद साहब ने भाग लिया।

'19 साल पुराने मामले में मंत्री के घर ईडी की 22 घंटे तक छापेमारी', आतिशी का केंद्र पर हमला; कहा- हम डरने वाले नहीं

दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने मंत्री राजकुमार आनंद के घर ईडी की छापेमारी को लेकर शुक्रवार को केंद्र पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि 19 साल पुराने मामले में अब छापेमारी हो रही है जबकि यह मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। बीजेपी के खिलाफ जो भी बोलेगा उसके पीछे जांच एजेंसियां लगा दी जाएगी।

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री राजकुमार आनंद के घर ईडी की छापेमारी को लेकर शिक्षा मंत्री आतिशी ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि केंद्र की बीजेपी सरकार उन्हें परेशान कर रही है। यह भाजपा का षडयंत्र है और इससे हम डरनेवाले नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र की बीजेपी सरकार ने कल सुबह 5 बजे राज कुमार आनंद के घर एक 19 साल पुराने मामले में छापेमारी करवाई है। यह छापा 22 घंटे तक पड़ता रहा। इनके रिश्तेदार और इनके साथ काम करने वाले कारोबारियों के यहां छापे पड़े हैं।

हमें भी डीआरआई का नोटिस मिलाः आतिशी

उन्होंने कहा कि 2005 में हम लोग व्यापार करते थे। उस समय मुझे उस समय राजस्व जांच निदेशालय (डीआरआई) का नोटिस मिला था। हम लोग सुप्रीम कोर्ट गए थे। अभी भी यह मामला सुप्रीम कोर्ट में है। आज तक कोई इसको लेकर बात नहीं हुई है। मगर 19 साल बाद अचानक ईडी की छापेमारी कर दी गई और 22 घंटे तक छापेमारी हुई।

बीजेपी के खिलाफ बोलने परेशान किया जा रहा

उन्होंने कहा कि केंद्र सरका इन जांच एजेंसियों की मदद से सभी नेताओं को परेशान किया जा रहा है। उन्हें कुछ नहीं मिला। घर में सभी गद्दे को फाड़ दिया गया। यह सब पॉलिटिकल मामला है। जो भी भाजपा के खिलाफ बोलेगा, उसके यहां छापेमारी होगी और उसे परेशान किया जाएगा। यह भाजपा का षड्यंत्र है। इससे हम डरने वाले नहीं हैं।

रेव पार्टी, सांपों का जहर और विदेशी युवतियां...

पढ़ें कैसे नोएडा पुलिस के रडार पर आए एल्विश यादव

परिवहन विशेष न्यूज

बिग बॉस ओटीटी-2 जीतने के बाद से सुर्खियों में यूट्यूबर एल्विश यादव विवादों में घिर गए हैं। उनके खिलाफ कोतवाली सेक्टर-49 में गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। उन पर सांपों के जहर की सप्लाई करने वाले गिरोह से जुड़ने का आरोप है। पुलिस ने इस मामले में नामजद पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। एल्विश यादव की संलिप्तता की जांच कर रही है।

नोएडा। बिग बॉस ओटीटी-2 जीतने के बाद से सुर्खियों में यूट्यूबर एल्विश यादव विवादों में घिर गए हैं। उनके खिलाफ कोतवाली सेक्टर-49 में गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

उन पर सांपों के जहर की सप्लाई करने वाले गिरोह से जुड़ने का आरोप है। पुलिस ने इस मामले में नामजद पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। एल्विश यादव की संलिप्तता की जांच कर रही है।

पीपल फॉर एनिमल संस्था के अधिकारी ने दर्ज कराया केस

सांसद मेनका गांधी की संस्था पीपल फॉर एनिमल में एनिमल वेलफेयर ऑफिसर के पद पर कार्यरत गौरव गुप्ता ने एफआईआर कराई है। उन्होंने बताया कि यूट्यूबर एल्विश यादव नोएडा-

एनसीआर के फार्म हाउसों में अन्य यूट्यूबर सदस्यों के साथ मिलकर स्नेक वेनम व जिंदा सांपों के साथ वीडियो शूट कराते हैं।

यही नहीं गैर कानूनी रूप से रेव पार्टियों को आयोजित कराते हैं। जिनमें विदेशी युवतियों को बुलाकर स्नेक वेनम व नशीले पदार्थों का सेवन कराया जाता है। सूचना के आधार पर एक मुखबिर ने एल्विश यादव से संपर्क किया।

एल्विश ने दिया था एजेंट का नंबर

एल्विश ने राहुल नामक एजेंट का नंबर दिया और उनका नाम लेकर बात करने के लिए कहा। मुखबिर ने राहुल से संपर्क करके पार्टी आयोजित करने के लिए बुलाया। शिकायतकर्ता ने इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों और पुलिस को दी।

दो नवंबर को सेक्टर-51 स्थित सेवरोन बैंक्वेट हॉल में आरोपित प्रतिबंधित सांप लेकर पहुंच गए। उसी दौरान वन विभाग की टीम ने पुलिस की मदद से आरोपितों को पकड़ लिया। पुलिस ने पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। जिनकी पहचान दिल्ली के राहुल, टीटूनाथ, जयकरन, नारायण और रविनाथ के रूप में हुई।

आरोपियों क्या-क्या हुआ बरामद

इनके पास से 20 मिलीलीटर स्नेक वेनम, पांच कोबरा, एक अजगर, दो दुमही, एक घोड़ा पछाड़ सांप बरामद हुआ। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संदीप चौधरी का कहना है कि पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। एल्विश यादव समेत छह नामजद और कुछ अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। एल्विश यादव की गिरोह से संलिप्तता की जांच की जा रही है।

कौन हैं एल्विश यादव ?

एल्विश यादव काफी प्रसिद्ध यूट्यूबर और इंटरनेट मीडिया पर्सनालिटी हैं। उनके यूट्यूब चैनल एल्विश यादव के इस समय लगभग 14.5 मिलियन से अधिक सब्सक्राइबर हैं। उनके पास एल्विश यादव व्लाग्स नाम से एक और यूट्यूब चैनल है, जहां उनके लगभग 7.5 मिलियन से अधिक सब्सक्राइबर हैं। यादव इंस्टाग्राम पर भी काफी एक्टिव रहते हैं और उनके इंस्टा पर 16 मिलियन से ज्यादा फैंस हैं।

बिग बॉस ओटीटी के विनर हैं एल्विश यादव

एल्विश ने हाल ही में बिग बॉस ओटीटी-2 में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री की थी। अंत में शो की ट्राफी भी अपने नाम की। बिग बॉस के इतिहास में एल्विश यादव पहले वाइल्ड कार्ड हैं जिन्होंने ट्राफी अपने नाम की थी।

एल्विश यादव से एक करोड़ की मांगी गई थी रंगदारी

पिछले दिनों एल्विश यादव ने कथित तौर पर जबरन वसूली काल मिलने के बाद एफआइआर दर्ज कराई थी। 25 अक्टूबर को गुरुग्राम के सेक्टर-53 पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया गया था। एल्विश ने पुलिस को बताया था कि उन्हें एक अनजान नंबर से एक करोड़ रुपये की रंगदारी की मांग का एक काल आया था।

शराब के नशे में हुए विवाद में दोस्त ने की थी युवक की ईंट से वार कर हत्या, पुलिस ने आरोपित को दबोचा

बुधवार को गाजियाबाद के नंदग्राम के अनिल राठौर की हत्या दोस्त ने शराब पीने के दौरान हुए विवाद में रिश्तेदार के साथ मिलकर ईंट से वार कर की थी। पुलिस ने युवक की हत्या का पर्दाफाश करते हुए आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है।

लोनी। कोतवाली क्षेत्र के सिकरानी गांव में बुधवार को नंदग्राम के अनिल राठौर की हत्या दोस्त ने शराब पीने के दौरान हुए विवाद में रिश्तेदार के साथ मिलकर ईंट से वार कर की थी। बृहस्पतिवार को पुलिस ने आरोपित और उसके रिश्तेदार को गिरफ्तार कर हत्या का राजफाश किया।

अपनी प्रेमिका के साथ रहता था अनिल

हत्या में प्रयुक्त ईंट बरामद कर ली है। सहायक पुलिस आयुक्त लोनी रजनीश उपाध्याय ने बताया कि पकड़े गए आरोपित नंदग्राम का बलराज और सिकरानी गांव का कुलदीप है। कुलदीप बलराज के जीजा का छोटा भाई है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि अनिल अपनी प्रेमिका के साथ रहता था। दो दिन पहले प्रेमिका को उसका पति अनिल के पास से अपने साथ लेकर चला गया। इससे वह परेशान था। उसने बलराज से हरिद्वार चलने के लिए कहा। तभी उसने बताया कि बागपत से कुछ दोस्तों से मिलना है। इसलिए वह लोनी आ गए, लेकिन दोस्त नहीं आए तो बलराज और अनिल मिलकर पार्टी करने लगे।

ईंट से अनिल के चेहरे पर किए कई वार

कुछ देर बाद बलराज ने जीजा के भाई कुलदीप को भी बुला लिया। पार्टी के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इस कदर बढ़ा की अनिल ने कुलदीप को थप्पड़ मार दिया। इसपर बलराज और कुलदीप ने मिलकर पास पड़ी ईंट से अनिल के चेहरे पर कई वार कर दिए। वह लहुलूहान हो कर गिर गया। वह दोनों मौके से भाग गए थे।इसमें उसकी मौत हो गई।

भागने की फिराक में थे दोनों

सहायक पुलिस आयुक्त ने बताया कि दोनों मोबाइल बंद कर फरार थे। वह यहां से गौतमबुद्ध नगर के बिसरख में रहनेवाले कुलदीप के बड़े भाई के यहां पहुंचने वाले थे। इससे पहले ही पुलिस ने वहां पहुंचकर दोनों को दबोच लिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त ईंट बरामद कर ली है।

यह है मामला

नंदग्राम के अनिल राठौर का शव लोनी के सिकरानी गांव के जंगल में खून से लथपथ मिला था। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पास से मिले मोबाइल से स्वजन को सूचना दी। उसके चेहरे पर चोट के निशान थे। अंतिम बार मंगलवार को अनिल की अपनी मां से ही फोन पर बात हुई थी। वह बहन के यहां जाने की बात कहकर घर से निकला था। स्वजन ने प्रेमिका के पति के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस की टीमें हत्या के राजफाश में लगी थीं।

एल्विश यादव की सीएम योगी से गुहार: 'आरोपों में 1% भी सच्चाई हुई तो लूंगा जिम्मेदारी', सांपों का जहर बरामदगी केस में आया वीडियो

Bigg Boss OTT Season 2 के विजेता एल्विश यादव एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हालांकि इस बार वह अच्छे कारणों को लेकर नहीं बल्कि सांप के जहर की रेव पार्टी में तस्करी करने वाले गिरोह में शामिल होने को लेकर चर्चा में हैं। इसी को लेकर उन्होंने अपनी चुप्पी तोड़ी है।

गुरुग्राम। Bigg Boss OTT Season 2 के विजेता एल्विश यादव एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हालांकि इस बार वह अच्छे कारणों को लेकर नहीं बल्कि सांप के जहर की रेव पार्टी में तस्करी करने वाले गिरोह में शामिल होने को लेकर चर्चा में हैं। इसी को लेकर उन्होंने अपनी चुप्पी तोड़ी है।

उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर एक वीडियो डालकर इस मामले में साफ किया है कि उनका इन सबसे कोई लेना-देना नहीं है। यह पूरा मामला फेक है।

आज ही सामने आया मामला

आज सुबह ही यह मामला सामने आया जिसके बाद एल्विश ने अपने सभी सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया। एल्विश ने वीडियो की शुरुआत में ही कहा कि जो लोग ये कह रहे हैं कि एल्विश गिरफ्तार हो गया है, यह पूरी तरह से गलत है। यह सभी न्यूज फेक है।

एक परसेंट भी नहीं है सच्चाई

एल्विश ने कहा, इस पूरे मामले में एक एक परसेंट भी सच्चाई नहीं है। मैं नोएडा पुलिस से कहना चाहता हूं कि मैं जांच में पूरी तरह से सहयोग करूंगा।

एल्विश ने ये भी कहा कि वह यूपी पुलिस, प्रशासन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से रिक्वेस्ट करता हूं कि अगर मेरी एक परसेंट भी गलती निकली तो मैं जिम्मेदारी लेने को तैयार हूं। एल्विश ने मीडिया से भी कहा कि जब तक मामले में कुछ सामने न आए तो मेरा नाम न लें, झूठी खबरें न चलाएं।

एल्विश यादव की तलाश कर रही पुलिस, DCP बोले- जल्द गिरफ्तारी हो जाएगी

रेव पार्टी में सांप के जहर की सप्लाई करने के मामले में नोएडा पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया। एफआईआर के बाद नोएडा पुलिस एल्विश यादव की तलाश कर रही है। डीसीपी ने कहा कि जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

नोएडा। रेव पार्टी में सांप के जहर की सप्लाई करने के मामले में नोएडा पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया। इनमें बिग बॉस ओटीटी विनर एल्विश यादव के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर के बाद नोएडा पुलिस एल्विश यादव की तलाश कर रही है।

25 एमएल जहर भी बरामद हुआ

बता दें कि नोएडा पुलिस ने गुरुवार को सेफरन वेडिंग विला में रेव पार्टी के लिए सांप के जहर की सप्लाई करने वाले गिरोह को पकड़ा है। वन विभाग के साथ संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने छह तस्करों के पास से पांच कोबरा, दो दो मुहे सांप, एक लाल सांप, एक अजगर को पकड़ा है। इनके पास से प्लास्टिक की बोतल में 25 एमएल जहर बरामद किया है।

डीसीपी ने बताया पूरा मामला

डीसीपी राम बदन सिंह ने कहा कि गौरव गुप्ता द्वारा एक एफआईआर दर्ज की गई थी। एनिमल वेलफेयर एसोसिएशन के एक पदाधिकारी ने बताया कि उन्होंने सांपों की व्यवस्था करने के लिए एल्विश यादव से संपर्क किया था। इस पर उसने राहुल यादव नाम के एक व्यक्ति का नाम बताया था, जिनसे संपर्क किया गया।

जल्द ही एल्विश यादव की गिरफ्तारी की जाएगी-DCP

डीसीपी ने आगे कहा कि उसने बताया कि सांप का जहर को निकालकर रेव पार्टी में इस्तेमाल किया गया। वन विभाग और पुलिस की टीम गई थी। पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस एल्विश यादव की तलाश कर रही है। जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी। खास बात है कि एल्विश यादव ने हाल ही में बिग बॉस ओटीटी-2 में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री की थी। अंत में शो की ट्राफी भी अपने नाम की।

फंदे पर लटके मिले दो युवकों के शव, पुलिस ने मामले की शुरू जांच

गाजियाबाद के वंदना एन्क्लेव में एक युवक का शव सीढ़ियों की रेलिंग से लटका मिला। इसके अलावा इंदिरापुरम के नीतिखंड दो में एक युवक का शव पंखे पर फंदे से लटका मिला। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

खोड़ा। कोतवाली क्षेत्र के वंदना एन्क्लेव में एक युवक का शव सीढ़ियों की रेलिंग से लटका मिला। इंदिरापुरम के नीतिखंड-दो में एक युवक का शव पंखे पर फंदे से लटका मिला। पुलिस ने दोनों मामले की जांच शुरू कर दी है।

नीतिखंड दो में दुपट्टे के सहारे लटका मिला शव

पुलिस के मुताबिक, नीतिखंड-दो के एक घर में शुक्रवार सुबह पुलिस कंट्रोल रूम को 25 वर्षीय युवक का शव फंदे से लटका होने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची। शव दुपट्टे के सहारे फंदे से लटका हुआ था। पुलिस की जांच में आया है कि युवक बुधवार रात करीब 12 बजे खाना खाकर अपने कमरे में गया था।

सुबह करीब नौ बजे कमरे का

दरवाजा खटखटाया, लेकिन खुला नहीं। दरवाजा तोड़ा तो शव फंदे से लटका हुआ था। वह प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। खोड़ा के वंदना एन्क्लेव में 19 वर्षीय युवक का शव सीढ़ियों पी रेलिंग से लटका मिला।

दोनों मामलों की जांच में जुटी पुलिस

सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। मृतक के स्वजन को पुलिस ने सूचना दे दी है। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि दोनों मामलों में सभी बिंदुओं पर पुलिस जांच कर रही है। स्वजन की ओर से अभी कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण का वातावरण संपूर्ण भारतवर्ष में दिखायी देने लगा है

लोकेन्द्र सिंह राजपूत

दुर्भाग्य से हमारी राजनीति में भी कुछ दल ऐसे भी हैं, जिनके लिए वोट की राजनीति ही सबकुछ है। चूँकि लोकतंत्र में जनता का समर्थन चाहिए होता है, इसलिए ये राजनीतिक दल समाज को टुकड़ों-टुकड़ों में बाँटकर अपना पक्ष मजबूत करने के प्रयत्न कर रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की परंपरा में विजयादशमी के उत्सव पर सरसंघचालक के उद्बोधन का विशेष महत्व है। विजयादशमी हिन्दुओं का बड़ा सामाजिक उत्सव होने के साथ ही संघ की स्थापना का उत्सव भी है। इस उत्सव में सरसंघचालक जी का जो उद्बोधन होता है, उसमें स्वयंसेवकों के लिए पाथेय रहता है। इसके साथ ही उनके भाषण में समसामयिक मुद्दों को लेकर समाज की सज्जन शक्ति के लिए भी संदेश रहता है। चूँकि आज संघ पर सबकी निगाहें रहती हैं और विभिन्न विषयों को लेकर संघ के दृष्टिकोण को जानने की भी अपेक्षा रहती है, इसलिए भी विजयादशमी पर होने वाले सरसंघचालक के उद्बोधन को लेकर सबको विशेष उत्सुकता रहती है। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने अपने उद्बोधन में सब प्रकार की बातों को ध्यान रखा। उन सब मुद्दों पर संघ का दृष्टिकोण प्रस्तुत किया, जिन पर देशभर में चर्चाएं चल रही हैं। विजय का पर्व है, इसलिए देशवासियों के मन में उत्साह का संचार हो इसलिए उन्होंने अपने उद्बोधन की शुरुआत भारत की उपलब्धियों के साथ ही की। वीरांगना रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती, छत्रपति शिवाजी महाराज के हिन्दवी स्वराज्य की स्थापना के 350वें वर्ष, छत्रपति शाहू जी महाराज की 150वीं जयंती और संत श्रीमद् रामलिंग वल्लालार की 200वीं जयंती का उल्लेख करके उन्होंने यही संदेश दिया है कि अमृतकाल में जब हम भारत के 'स्व' के जागरण का उपक्रम कर रहे हैं, तब हमें ऐसी महान विभूतियों के जीवन से अवश्य ही प्रेरणा लेनी चाहिए। एक सामर्थ्यशाली राष्ट्र के निर्माण के लिए व्यवहार से लेकर व्यवसाय में और व्यक्ति से लेकर राष्ट्र की नीति में, 'स्व' दिखना चाहिए।

देश एक करवट ले रहा है। सांस्कृतिक पुनर्जागरण का एक वातावरण भारत में दिखायी देने लगा है। अमृतकाल को अवसर मानकर एक बार फिर भारत अपने 'स्व' की ओर बढ़ रहा है। विश्व पटल पर भी अब भारत अपने 'स्व' के साथ अभिव्यक्त हो रहा है। इसके प्रमाण स्वरूप सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने 'जी-20 समूह' पर भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों की छाप को उल्लेखित किया। यह तो स्पष्ट ही दिखायी देता है कि भारत की अध्यक्षता में विश्व के सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों के समूह का दृष्टिकोण ही बदल गया। यह समूह अब तक अर्थ को केंद्र में रखकर दुनिया का विचार करता था, लेकिन अब इसका केंद्र बिन्दु मानव हो गया है। निःसंदेह, सरसंघचालक जी ने ठीक ही कहा कि "भारत के विशिष्ट विचार एवं दृष्टि के कारण संपूर्ण विश्व के चिंतन में वसुधैव कुटुम्बकम्की दिशा जुड़ गई। जी-20 का अर्थकेन्द्रित विचार अब मानव केन्द्रित हो गया"। जी-20 समूह की अध्यक्षता की ऐतिहासिक घटना का उल्लेख उन्होंने संभवतः इसलिए भी किया होगा, ताकि हम भारत के बढ़ते सामर्थ्य एवं गौरव की अनुभूति कराने वाली इस घटना को भूल न जाएं।

सबकुछ स्पष्ट कर देंगे ये प्रश्न

देश की प्रगति को बाधित करने के प्रयत्नों में लगी शक्तियों की ओर भी समाज की सज्जनशक्ति का ध्यान आकर्षित कराने का प्रयास सरसंघचालक जी ने किया। उनके द्वारा उठाए गए ये प्रश्न विचारणीय हैं कि लगभग एक दशक से शांत मणिपुर में अचानक यह आपसी फूट की आग कैसे लग गई? क्या हिंसा करने वाले लोगों में सीमापार के अतिवादी भी थे? अपने अस्तित्व एवं भविष्य के प्रति आशंकित मणिपुरी मैतेयी समाज और कुकी समाज के इस आपसी संघर्ष को सांप्रदायिक रूप देने का प्रयास क्यों और किसके द्वारा हुआ? वर्षों से वहाँ पर सबकी समदृष्टि से सेवा करने में लगे संघ जैसे संगठन को बिना कारण इसमें घसीटने का प्रयास करने में किसका निहित स्वार्थ है? इस सीमा क्षेत्र में नागाभूमि व मिजोरम के बीच स्थित मणिपुर में ऐसी अशांति व अस्थिरता का लाभ प्राप्त करने में किन विदेशी सत्ताओं को रुचि हो सकती है? क्या इन घटनाओं का कारण परंपराओं में दक्षिण पूर्व एशिया की भू- राजनीति की भी कोई भूमिका है? देश में मजबूत सरकार के होते हुए भी यह हिंसा किन के बलबूते इतने दिन बेरोकटोक चलती रही है? गत 9 वर्षों से चल रही शान्ति की स्थिति को बरकरार रखना चाहने वाली राज्य सरकार होकर भी यह हिंसा क्यों भड़की और चलती रही? आज की स्थिति में जब संघर्षरत दोनों पक्षों के लोग शांति चाह रहे हैं, उस दिशा में कोई सकारात्मक कदम उठता हुआ दिखते ही कोई हादसा करवा कर, फिर से विद्वेष एवं हिंसा भड़काने वाली ताकतें कौन सी हैं?

ये प्रश्न ऐसे हैं, जो भारत के प्रति भक्ति का भाव रखनेवाले प्रत्येक भारतीय नागरिक के मन में पहले दिन से उठ रहे हैं। वह भी इन प्रश्नों के उत्तर खोज रहा है। वह उत्तर तक पहुँच भी रहा है। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में जब हिंसा के कारण सामान्य जन-जीवन अस्त-व्यस्त है, तब वहाँ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता जमीन पर उतरकर, बिना किसी भेदभाव के, दोनों ही वर्गों के बीच राहतकार्य संचालित कर रहे हैं। इसलिए संघ मणिपुर की हिंसा का सच अधिक नजदीक से देख पा रहा है। स्मरण रखें कि देश में जिस प्रकार का हिन्दुत्व का वातावरण बना है और राष्ट्रीय विचार की सरकार सत्ता के केंद्र में है, ऐसे में समाजकंटक ताकतों के फलने-फूलने के अवसर समाप्त हो गए हैं। यह भी कि पिछले कुछ वर्षों में सभी क्षेत्रों में भारत जिस तरह मजबूती से बढ़ रहा है, वह भी भारत विरोधी ताकतों को पच नहीं रहा है। ये अभारतीय ताकतें किसी भी कीमत पर हिन्दुत्व और राष्ट्रीय विचार को कमजोर करके भारत की प्रगति बाधित करना चाहती हैं। इसलिए पंजाब से लेकर मणिपुर और तमिलनाडु से लेकर जम्मू-कश्मीर तक, ये ताकतें समाज में अराजक वातावरण बनाने की साजिशें रच रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में हुए अराजक आंदोलनों के पीछे भी इन ताकतों की भूमिका रही है।

समाज की एकता के लिए हमें राजनीति से अलग होकर समाज का विचार करते हुए चलना पड़ेगा

दुर्भाग्य से हमारी राजनीति में भी कुछ दल ऐसे भी हैं, जिनके लिए वोट की राजनीति ही सबकुछ है। चूँकि लोकतंत्र में जनता का समर्थन चाहिए होता है, इसलिए ये राजनीतिक दल समाज को टुकड़ों-टुकड़ों में बाँटकर अपना पक्ष मजबूत करने के प्रयत्न कर रहे हैं। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने इस प्रकार की राजनीति से भी सतर्क रहने के संकेत किए हैं। इन सब प्रयत्नों को विफल करने के लिए उन्होंने एक मंत्र दिया है- "यह भारत माता है, जो हम सबको जोड़ती है"। उन्होंने यह भी कहा कि समाज को एकजुट करने के लिए अनेक स्तरों पर काम करना होगा। समाज की सज्जनशक्ति को अपना बहुत कुछ दांव पर लगाना होगा। दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति के कारण उत्पन्न परस्पर अविश्वास की खाई को पाटने में समाज के प्रबुद्ध नेतृत्व को एक विशेष भूमिका निभानी होगी। हमें सदैव स्मरण करते रहना चाहिए- "हमारे देश में विद्यमान सभी भाषा, प्रान्त, पंथ, संप्रदाय, जाति, उपजाति इत्यादि विविधताओं को एक सूत्र में बाँधकर एक राष्ट्र के रूप में खड़ा करने वाले तीन तत्व (मातृभूमि की भक्ति, पूर्वज गौरव एवं सबकी समान संस्कृति) हमारी एकता का अक्षुण्ण सूत्र हैं"।

समाज को अराजकता में धकेलता है सांस्कृतिक मार्क्सवाद और वोकिज्म

सरसंघचालक जी ने 'सांस्कृतिक मार्क्सवाद और वोकिज्म' की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। दरअसल, अपने हिंसक एवं तानाशाही स्वरूप के कारण दुनिया में असफल और अस्वीकार हो चुका कम्युनिज्म का विचार अब 'सांस्कृतिक मार्क्सवाद और वोकिज्म' के रूप में अपने पैर पसारने की कोशिश कर रहा है। ऐसा लगता है कि वोक यानी अव्यवस्थाओं एवं शोषण के प्रति जगे हुए लोग होते हैं। परंतु वास्तविकता यह है कि ये लोग वोकिज्म के नाम पर अराजकता एवं अविश्वास का वातावरण बनाना चाहते हैं। प्रचार माध्यमों एवं अकादमियों में घुसपैठ करके देश की शिक्षा, संस्कार, राजनीति एवं सामाजिक वातावरण में भ्रम पैदा करते हैं। जब समाज में आपसी विवाद बढ़ने लगते हैं और अराजकता बढ़ जाती है, तब ये विध्वंसकारी ताकतें उस समाज को अपना शिकार बना लेती हैं। सरसंघचालक जी ने उचित ही ध्यान आकर्षित किया कि जिन्होंने 1920 में ही मार्क्स को भुला दिया और जिनका संस्कृति और संस्कार से कोई वास्ता ही नहीं, वे सांस्कृतिक मार्क्सवाद के नाम पर क्या ही करेंगे? इन्हें सुव्यवस्था, मांगल्य, संस्कार और संयम से विरोध है। आज समाज को इन ताकतों से भी सावधान रहने की आवश्यकता है। इन सब प्रकार की साजिशों का एक ही उत्तर है- 'समाज की एकता'। उनके पाथेय का सार यह है, जिसका सबको अनुसरण करना है- समाज की एकता, सजगता एवं सभी दिशा में निस्वार्थ उद्यम, जनहितकारी शासन एवं जनोन्मुख प्रशासन 'स्व' के अधिष्ठान पर खड़े होकर परस्पर सहयोगपूर्वक प्रयासरत रहते हैं, तभी राष्ट्र बल वैभव सम्पन्न बनता है। बल और वैभव से सम्पन्न राष्ट्र के पास जब हमारी सनातन संस्कृति जैसी सबको अपना कुटुंब मानने वाली, तमस से प्रकाश की ओर ले जाने वाली, असत् से सत् की ओर बढ़ाने वाली तथा मर्त्य जीवन से सार्थकता के अमृत जीवन की ओर ले जाने वाली संस्कृति होती है, तब वह राष्ट्र, विश्व का खोया हुआ संतुलन वापस लाते हुए विश्व को सुख-शांतिमय नवजीवन का वरदान प्रदान करता है। वर्तमान समय में हमारे अमर राष्ट्र के नवोत्थान का यही प्रयोजन है।

-लोकेन्द्र सिंह

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक हैं।)

2023 Mercedes-AMG C43 से जुड़ी 5 बड़ी बातें, BMW की इस गाड़ी को देगी कड़ी टक्कर

सी क्लास का स्पोर्टियर संस्करण होने के नाते एएमजी सी43 में सिग्नेचर एएमजी ग्रिल और अधिक आक्रामक बंपर के साथ एक बोल्ड बाहरी डिज़ाइन है। कार एएमजी-विशिष्ट अलॉय व्हील्स और क्वाड एग्जॉस्ट मिलते हैं। भारतीय बाजार में AMG C43 का मुकाबला BMW M340i और ऑडी S5 स्पोर्टबैक लग्जरी कार से है।

नई दिल्ली। Mercedes-Benz 2 नवंबर को 2023 Mercedes-AMG C43 कार को इंडियन मार्केट में उतारा है। लॉन्च होते ही ये स्पोर्ट्स सेडान कार काफी सुर्खियों में है। इस गाड़ी को कंप्लिट बिल्ट यूनिट यानी की सीबीयू के माध्यम से भारत में इंपोर्ट किया जाएगा। आइये जानते हैं इस लग्जरी सेडान से जुड़ी खास बातों के बारे में।

2023 Mercedes-AMG C43 की कितनी है कीमत?

2023 Mercedes-AMG C43 स्पोर्ट्स सेडान कार को इंडियन मार्केट में 98 लाख रुपये एक्स-शोरूम कीमत पर उतारा गया है। लुक और डिजाइन के मामले में ये गाड़ी काफी शानदार है।

2023 Mercedes-AMG C43 लुक और डिजाइन

सी क्लास का स्पोर्टियर संस्करण होने के नाते, एएमजी सी43 में सिग्नेचर एएमजी ग्रिल और अधिक आक्रामक बंपर के साथ एक बोल्ड बाहरी डिज़ाइन है। कार एएमजी-विशिष्ट अलॉय व्हील्स और क्वाड एग्जॉस्ट मिलते हैं। जो दिखने में बेहद आकर्षक हैं।

इस गाड़ी को देगी कड़ी टक्कर

भारतीय बाजार में AMG C43 का मुकाबला BMW M340i और ऑडी S5 स्पोर्टबैक लग्जरी कार से है।

कैसा है इंटीरियर

इंटीरियर की बात करें तो C43 का इंटीरियर काफी लग्जरी है। इसके अंदर आपको 11.9-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और 12.3-इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिल जाएंगे। कार में स्पोर्ट्स सीटें, फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग व्हील और 15-स्पीकर बर्मेस्टर ऑडियो सिस्टम मिलता है।

2023 Mercedes-AMG C43

AMG C43 में इलेक्ट्रिक टर्बोचार्जर और 48V माइल्ड-हाइब्रिड सिस्टम के साथ 2.0-लीटर 4-सिलेंडर पेट्रोल इंजन का उपयोग किया गया है। यह 397 बीएचपी की पावर और 500 एनएम की पीक टॉर्क जेनरेट करती है। इसे 9-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन और 4मैटिक ऑल-व्हील ड्राइव सिस्टम के साथ जोड़ा गया है। मर्सिडीज का दावा है कि 0-100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ने में 4.6 सेकंड का समय लगता है।

BMW X4 M40i लग्जरी कार कितनी खास, 4 प्वाइंट्स में समझें

BMW X4 M40i में कार्बन फाइबर ट्रिम और स्पोर्टी 3-स्पोक स्टीयरिंग व्हील के साथ डुअल-टोन इंटीरियर है। एसयूवी 12.3 इंच के डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और समान आकार के टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम से लैस है। इसमें 3-जोन ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल रिक्लाइनिंग रियर सीटें और एक पैनोरमिक सनरूफ भी मिलता है। आइये इस लग्जरी कार के बारे में डिटेल में जानते हैं।

नई दिल्ली। हाल ही में BMW ने X4 M40i लग्जरी कार के इंडियन मार्केट में लॉन्च कर दिया है। ये कार अपने एडवांस फीचर्स और बोल्ड लुक के लिए काफी सुर्खियों में है, इसलिए इस खबर के माध्यम से आपको बताने जा रहे हैं इस लग्जरी कार से जुड़ी खास प्वाइंट्स के बारे में।

कितना दमदार है इसका इंजन?

X4 M40 एक 3.0-लीटर, 6-सिलेंडर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन है, जो 5,200-6,500 आरपीएम पर 355 बीएचपी और 1,900-5,000 आरपीएम पर 500 एनएम की पीक टॉर्क जेनरेट करता है। इंजन 8-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन और ऑल-व्हील ड्राइव सिस्टम से लैस है। एसयूवी में ऑटोमैटिक डिफरेंशियल लॉक के साथ एडेप्टिव सस्पेंशन और एम स्पोर्ट डिफरेंशियल मिलता है।

BMW X4 लुक और डिजाइन

बीएमडब्ल्यू एक्स4 के लुक और डिजाइन की बात करें तो यह एक स्टाइलिश कूपे जैसी रूफ वाली एसयूवी है। स्पोर्टियर M40i वेरिएंट होने के नाते, इसमें आगे की तरफ स्मोक्ड एलईडी हेडलैंप के साथ एक डार्क बीएमडब्ल्यू एम किडनी ग्रिल, एम स्पोर्ट ब्रेक और रेड ब्रेक कैलीपर्स के साथ 20-इंच जेट ब्लैक एम लाइट अलॉय व्हील और पीछे की तरफ डुअल एग्जॉस्ट टिप्स के साथ स्लीक एलईडी टेल लाइट्स सेटअप्स मिलते हैं।

BMW X4 फीचर्स

X4 M40i में कार्बन फाइबर ट्रिम और स्पोर्टी 3-स्पोक स्टीयरिंग व्हील के साथ डुअल-टोन इंटीरियर है। एसयूवी 12.3 इंच के डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और समान आकार के टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम से लैस है। इसमें 3-जोन ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, रिक्लाइनिंग रियर सीटें और एक पैनोरमिक सनरूफ भी मिलता है।

कितनी है कीमत

BMW ने भारत में X4 M40i लॉन्च कर दी है। एसयूवी सीमित संख्या में उपलब्ध होगी और सीबीयू के माध्यम से इंपोर्ट की जाएगी। इसकी कीमत 96.20 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है।

रॉयल इनफील्ड हिमालियन 452 कब होगी लॉन्च? जानें संभावित कीमत से लेकर सारी डिटेल्स

रॉयल एनफील्ड हिमालयन 452 के भारत में नवंबर 2023 में 260000 रुपये से लेकर 270000 की संभावित कीमतों में लॉन्च हो सकती है। हालांकि सही कीमतों का खुलासा अगले महीने ही हो पाएगा। लॉन्च होने के बाद ये बाइक केटीएम 390 एडवेंचर एक्स रॉयल एनफील्ड हिमालयन और केटीएम 250 एडवेंचर को टक्कर दे सकती है।

नई दिल्ली। प्रीमियम बाइक सेगमेंट के लिए साल 2023 बेहद खास रहा है, जहां एक से बढ़कर एक बाइक्स लॉन्च हुई हैं। किफायती कीमत में हाल ही में ट्रायम्फ 400एक्स को लॉन्च किया गया था, जिसके बाद अब बारी रॉयल एनफील्ड की है। जहां कंपनी Royal Enfield Himalayan 452 को लाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। फिलहाल बहुत से लोगों की निगाहें इसकी कीमतों पर टिकी हुई हैं, आइये जानते हैं इस बाइक से जुड़े लेटेस्ट डिटेल्स और संभावित कीमतों के बारे में।

7 नवंबर को होगी लॉन्च?

वाहन निर्माता कंपनी ने न्यू हिमालय के लॉन्चिंग तारीख अनाउंस कर दी है। कंपनी ने यह खुलासा किया है कि यह बाइक 7 नवंबर को बिक्री के लिए उपलब्ध होगी।

कितना दमदार होगा इसका इंजन?

इंजन की बात करें तो Royal Enfield Himalayan 452 में 451.65cc, लिक्विड-कूल्ड इंजन मिलता है। जो 8,000rpm पर 39.57bhp की पावर और लगभग 40-45Nm का पीक टार्क जेनरेट करता है। इसका इंजन 6 स्पीड गियरबॉक्स से कनेक्टेड है।

कैसी होगी डिजाइन?

नए वैरिएंट में फ्रंट मडगार्ड पर हिमालयन ब्रांडिंग है, जबकि फ्यूल टैंक, साइड पैनल और रियर की तरफ फेंडर में हिमालय ग्राफिक्स भी मिलता है। इस मोटरसाइकिल में एलईडी टर्न इंडिकेटर्स के साथ एक एलईडी हेडलैंप, छोटी विंडशील्ड, एक नई बीक, जो हीरो एक्सपल्स के समान दिखती है, फिर से डिजाइन किया गया फ्यूल टैंक, बड़ा इंटरकूलर, नए ग्रैब हैंडल, नए एग्जॉस्ट मिलते हैं।

संभावित कीमतें

रॉयल एनफील्ड हिमालयन 452 के भारत में नवंबर 2023 में 2,60,000 रुपये से लेकर 2,70,000 की संभावित कीमतों में लॉन्च हो सकती है। हालांकि सही कीमतों का खुलासा अगले महीने ही हो पाएगा। लॉन्च होने के बाद ये बाइक केटीएम 390 एडवेंचर एक्स, रॉयल एनफील्ड हिमालयन और केटीएम 250 एडवेंचर को टक्कर दे सकती है।

हमास-इजरायल संघर्ष और इरान

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

गाजा पट्टी पर हमास का ही कब्जा है। हमास एक आतंकवादी संगठन है जो इजराइल को समाप्त करना चाहता है। इजराइल का अस्तित्व 1948 में फिलिस्तीन के एक हिस्से में हुआ था। वैसे यह क्षेत्र मूल रूप से यहूदियों का ही था, लेकिन कालक्रमानुसार इसी क्षेत्र में ईसा मसीह का जन्म हुआ, जिसने यहूदी विश्वासों से इतर एक नए पंथ को जन्म दिया।

सदियों पहले अरबों ने ईरान पर हमला करके उसे जीत लिया था। जीत ही नहीं लिया था बल्कि उसे बलपूर्वक इस्लाम पंथ में मतान्तरित भी कर लिया था। बहुत से ईरानी उस समय मतान्तरण से बचने के लिए ईरान से भाग कर भारत में भी आ गए थे जिन्हें आजकल पारसी कहा जाता है। लेकिन अब ईरान अरबों के आगे विवश था। उसकी सभ्यता संस्कृति खत्म हो रही थी। अरबों से बदला लेने का उसे पहला अवसर तब मिला जब मुसलमानों ने हजरत मोहम्मद को दामाद हजरत अली और उनके सभी रिश्तेदारों की कर्बला के मैदान में धोखे से हत्या कर दी थी'

गाजा पट्टी पर हमास का ही कब्जा है। हमास एक आतंकवादी संगठन है जो इजराइल को समाप्त करना चाहता है। इजराइल का अस्तित्व 1948 में फिलिस्तीन के एक हिस्से में हुआ था। वैसे यह क्षेत्र मूल रूप से यहूदियों का ही था, लेकिन कालक्रमानुसार इसी क्षेत्र में ईसा मसीह का जन्म हुआ, जिसने यहूदी विश्वासों से इतर एक नए पंथ को जन्म दिया। यहूदी ओल्ड टैस्टामैंट को अपनी धार्मिक किताब स्वीकारते हैं। लेकिन ईसा मसीह ने उससे भिन्न उपदेश देने शुरू किए तो उस समय के शासकों ने उसकी अत्यन्त क्रूर तरीके से हत्या कर दी। ईसा मसीह के चेले ईसाई कहे जाने लगे। इन चेलों की संख्या भी बढने लगी और साथ ही उनमें गुस्सा भी बढने लगा कि उनके मार्गदर्शक की हत्या यहूदियों ने की थी। इन चेलों ने ईसा मसीह के वचनों को भी संकलित करना शुरू कर दिया और नई पोथी का नाम न्यू टैस्टामैंट रखा, जिसे सामान्य भाषा में बाईबल भी कहा जाता है। ज्यों ज्यों ईसा मसीह के चेले बढने लगे त्यों त्यों उनकी यहूदियों से पार बढने लगी। यहूदियों ने वहां से भागना शुरू कर दिया और शेष बचे ईसा मसीह के चेलों में ही शामिल हो गए। लेकिन मामला यहीं शान्त नहीं हुआ। कालान्तर में इसी क्षेत्र में हजरत मोहम्मद का जन्म हुआ।

उन्होंने एक अलग मजहब की शुरुआत की जिसे अरबी भाषा में इस्लाम कहा जाता है। शुरू में तो मोहम्मद साहिब का भी बहुत विरोध हुआ और उनको भाग कर मदीना जाना पड़ा। लेकिन मोहम्मद साहिब ने इन सभी विरोधों का बहादुरी से मुकाबला किया और अन्ततः जीत प्राप्त की। धीरे धीरे मोहम्मद साहिब के चेले भी बढने लगे और अब ईसाइयों पर संकट आ खड़ा हुआ। बहुत से ईसाई ही अब इस्लाम पंथ में दाखिल हो गए। फिलिस्तीन अब इस्लाम मानने वालों का केन्द्र हो गया। जहां कभी यहूदी रहते थे, वहां अब इस्लाम पंथ को मानने वाले थे। यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि बहुत से लोग तो वही थे जो पहले यहूदी थे, बाद में ईसाई हो गए और उसके बाद इस्लाम पंथी बन गए। जो यहूदी ही बने रहे, वे जान बचाने के लिए फिलिस्तीन के अलावा दुनिया के हर हिस्से में चले गए। और फिलिस्तीन ओटोमन साम्राज्य के कब्जे में चला गया। उस पर तुर्कों का झंडा फहराने लगा। कभी अरब तुर्कों को बुद्ध से हटा कर इस्लाम के पाले में ले आए थे, लेकिन उस वक्त शायद उन्होंने नहीं सोचा था कि वही तुर्क इस्लाम का चोगा पहन कर उन्हीं पर राज करना शुरू कर देंगे। लेकिन इससे यहूदियों को कोई फर्क नहीं पडने वाला था। वे तो पूरी दुनिया में दर-बदर होकर भटक रहे थे। वे भारत में भी आए थे। लेकिन प्रथम विश्व युद्ध ने पासा पलट दिया। इस युद्ध ने ओटोमन साम्राज्य को तोड़ दिया। उसकी गुलामी में दिन काट रहे देश आजाद होने लगे। फिलिस्तीन भी उनमें से एक था। (यह अलग बात है कि कांग्रेस ने उस समय आन्दोलन चलाया था कि ओटोमन साम्राज्य को बरकरार रखा जाए जिसे खिलाफत आन्दोलन कहा जाता है)। जब फिलिस्तीन तुर्कों की गुलामी से आजाद हो गया तो यहूदियों में भी आशा जगने लगी थी। इसलिए इधर उधर भटक रहे अनेक सम्पन्न यहूदियों ने फिलिस्तीन में जमीन खरीदनी शुरू कर दी थी और कुछ ने तो वहां अपना व्यवसाय भी शुरू कर दिया था। लेकिन यूरोप में हालात फिर बदल रहे थे जिसके कारण एशिया में भी हलचल मचने वाली थी। पिछली सदी के चौथे दशक तक आते आते दूसरा विश्व युद्ध दस्तक देने लगा।

लेकिन इस विश्व युद्ध का सबसे बड़ा खमियाजा यूरोप में बसे यहूदियों को ही भुगतना पड़ा। जर्मनी ने तो इन्तहा ही कर दी। यहूदियों को गैस चैम्बरों में डाल डाल कर मारा जाने लगा। घायल जर्मन सैनिकों को बचाने के लिए यहूदियों का सारा खून निकाला जाने लगा। हाहाकार मच गया। यहूदी अब भाग कर कहां जाएं? वे अमेरिका की ओर भागे। यूरोप की सरकारों ने उन्हें घरों से मुकाम निकाल कर शरणार्थी शिविरों में कैद कर लिया। दूसरे विश्व युद्ध का यदि किसी को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ, तो यहूदियों को ही भुगतना पड़ा। विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई। वहां भी यह सवाल उठा कि जगह जगह शरणार्थी शिविरों में दिन काट रहे यहूदियों का क्या किया जाए। तब 1948 में संयुक्त राष्ट्र संघ ने रास्ता निकाला कि उनको वापस उनकी मूल भूमि में लाकर बसा दिया जाए। मूल भूमि तो उनकी फिलिस्तीन थी। उसी के एक हिस्से में उनको बसा कर उनके सनातन देश इजराइल का नाम भी उनको वापस दे दिया गया। लेकिन अब तक यह सारा क्षेत्र इस्लाम मजहब में मतान्तरित हो चुके अरब देशों से घिर चुका था। इतिहास का एक चक्र पूरा हो चुका था और अब दूसरा शुरू होने वाला था। इस्लाम पंथ में जा चुके अरब देश इन यहूदियों को दोबारा इजराइल में देखने के इच्छुक नहीं थे। अरब अनेक यहूदी एक। बत्तीस दान्तों में जीभ के समान। दोनों पक्षों में यदा कदा लड़ाई होने लगी। हैरानी की बात तो यह थी कि यहूदी, ईसाई और इस्लाम पंथी, तीनों ही अपने आप को एक ही पूर्वज अब्राहम की औलाद मानते हैं। लेकिन आपस में लड़ रहे हैं। जब अरब हार कर थक गए तो लगा कि मिलजुल कर रहना चाहिए। आखिर एक ही पूर्वज की औलाद हैं तो धीरे धीरे अरब देशों और इजराइल में सन्धियां होने लगीं। दूतावास खुलने लगे। अब तो मामला यहां तक आ गया था कि इस्लाम के गढ़ सऊदी अरब और इजराइल में भी निकट भविष्य में बातचीत होने वाली थी।

अमेरिका इसका प्रयास भी कर रहा था। गाजा पट्टी के आतंकवादी संगठन हमास को लगा कि यदि ऐसा हो गया तो उसकी अपनी उपयोगिता खत्म हो जाएगी। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में एक देश ऐसा था जो पिछले कई सौ साल से अपने लिए अवसर की तलाश कर रहा था। वह है ईरान। ईरान को अरबों को सबक सिखाना था।

सदियों पहले अरबों ने ईरान पर हमला करके उसे जीत लिया था। जीत ही नहीं लिया था बल्कि उसे बलपूर्वक इस्लाम पंथ में मतान्तरित भी कर लिया था। बहुत से ईरानी उस समय मतान्तरण से बचने के लिए ईरान से भाग कर भारत में भी आ गए थे जिन्हें आजकल पारसी कहा जाता है। लेकिन अब ईरान अरबों के आगे विवश था। उसकी सभ्यता संस्कृति खत्म हो रही थी। अरबों से बदला लेने का उसे पहला अवसर तब मिला जब मुसलमानों ने हजरत मोहम्मद को दामाद हजरत अली और उनके सभी रिश्तेदारों की कर्बला के मैदान में धोखे से हत्या कर दी थी। तब अली के शिष्यों में शिया पंथ की शुरुआत कर दी। ईरान, अरबों को सबक सिखाने के लिए शिया पंथ में चला गया। लेकिन उसने दूसरे अवसर की तलाश नहीं छोड़ी। उसे दूसरा अवसर मिला हमास की सहायता से। हमास इजराइल पर हमला कर देगा तो अरब देश चाह कर भी इजराइल के साथ समझौते कर सुखपूर्वक नहीं रह सकेंगे। ईरान चाहता है कि इजराइल और अरब लड़ते रहें ताकि उनकी शक्ति का क्षय होता रहे। अंग्रेजी में इसे कहेंगे ब्लीडिंग अब्ज। इजराइल के पास दूसरा रास्ता ही नहीं है। हमास ने हजारों इजराइलियों को नृशंसता से मौत के घाट ही नहीं उतारा, बल्कि सैकड़ों को बन्धक बना कर ले गया है। ईरान हालत को वहां तक ले गया है जहां से कोई भी पक्ष वापस नहीं हट सकता। क्या ईरान अरबों से सैकड़ों साल पहले की पराजय का बदला ले रहा है!

संपादक की कलम से

इतना घातक है प्रदूषण

वायु प्रदूषण से डायबिटीज (मधुमेह) का खतरा 22 फीसदी बढ़ रहा है। यह दिल्ली और चेन्नई के करीब 12,000 लोगों पर किए गए प्रयोग और शोध का निष्कर्ष है। अध्ययन के शोधकर्ताओं में शामिल मद्रास डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. वी. मोहन के अनुसार, यह अध्ययन आंखें खोल देने वाला है, क्योंकि अब मधुमेह के कारणों का एक नया आयाम खुल गया है। उनके मुताबिक, प्रदूषण के पीएम 2.5 में सल्फेट, नाइट्रेट, भारी धातुओं और कार्बन के सूक्ष्म कण होते हैं, जो रक्त-वाहिकाओं की परत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। धमनियों को सख्त करके रक्तचाप बढ़ा सकते हैं। ये कण वसा-कोशिकाओं में जमा हो सकते हैं। सूजन पैदा कर सकते हैं और सीधे हृदय की मांसपेशियों पर भी हमला कर सकते हैं। बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण शहरी भारत में गर्भ के दौरान भी डायबिटीज के मामले सामने आए हैं। एक और चिकित्सीय शोध किया गया है, जिसका निष्कर्ष है कि प्रदूषित हवा से 56 फीसदी तक पार्किन्सन का रोग बढ़ जाता है। यह शोध एक अमरीकी संस्था ने किया है। यह अध्ययन करीब 90,000 रोगियों पर किया गया है। इस बीमारी में हाथ-पैर तो कांपने ही लगते हैं, लेकिन मस्तिष्क पर भी प्रभाव पड़ते हैं। आदमी लडख़ड़ाने लगता है, सुनने की शक्ति क्षीण हो जाती है। भारत में फिलहाल पार्किन्सन की बीमारी प्रति एक लाख में 0.5 लोगों को ही है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि अगले 10 साल में यह संख्या 25 फीसदी से अधिक बढ़ सकती है।

चूंकि राजधानी दिल्ली देश का सबसे प्रदूषित शहर है, लिहाजा यहां के बाशिंदों की उम्र, वायु प्रदूषण के कारण ही, औसतन 11.9 वर्ष घट जाती है। यानी इतने साल पहले मौत दिल्लीवालों की दहलीज पर आ जाती है। यह अध्ययन भी किया गया है। दिल्ली में आजकल वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 को छूने वाला है, जो एक गंभीर स्थिति है। सामान्य प्रदूषण 100 तक झेला जा सकता है। उसके बाद खतरनाक और फिर गंभीर स्थिति आती है। दो-तीन दिन पहले दिल्ली विश्वविद्यालय के एक कॉलेज के आसपास का वायु गुणवत्ता सूचकांक 999 दर्ज किया गया, जो किसी गैस चैंबर से भी भयावह है। दिल्ली ऐसा महानगर है, जहां देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, संसद और सर्वोच्च अदालत हैं। विदेशों के दूतावास और राजनयिक भी हैं। दिल्ली भारत का हृदय है और यहीं प्रदूषण की जानलेवा समस्या हर साल उभरती है और तीन माह तक राजधानी प्रदूषण की परत में घिरी रहती है। दिल्ली की स्थानीय सरकार आम आदमी पार्टी (आप) के प्रशासन में है।

अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री हैं। जब तक पंजाब में 'आप' सत्तारूढ़ नहीं हुई थी, तब तक पराली जलाने के मुद्दे पर खूब प्रलाप किया जाता था। पंजाब में 'आप' सरकार के करीब पौने दो साल के कार्यकाल के बावजूद पराली जलाने के हजारों मामले आज भी आ रहे हैं। पराली पंजाब में ही नहीं, हरियाणा में भी खूब जलाई जाती है, क्योंकि हरियाणा भी बुनियादी तौर पर कृषि प्रधान राज्य है। पराली जलाने का धुआं हवा के साथ उड़ कर दिल्ली तक पहुंचता है और यहां हवा जहरीली होने लगती है। राजधानी के आसपास के इलाके भी प्रदूषित होने लगते हैं। आश्चर्य है कि अदालतों ने बार-बार सरकारों को फटकार लगाई है, सवाल पूछे हैं, लेकिन हर साल हवा जहरीली ही रहती है। न्यायाधीश भी वही प्रदूषित वायु कुछ न कुछ झेलते ही होंगे। सरकार के हुक्मरानों को दंडित क्यों नहीं किया जा सकता? प्रदूषण का प्रभाव इतना गहरा और घातक होता है कि मानवीय फेफड़े काले हो जाते हैं। बहरहाल प्रदूषण का एक अकेला कारण कुछ भी नहीं है और न ही केजरीवाल का अकेला दायित्व है। भारत सरकार भी इसका स्थायी हल ढूंढे।

राय

मेहरबानी से मेयर

कितने बेआबरू हैं हमारे शहर, होंठों पे गर्द लगा के हमीं से बात करते हैं। यह सिर्फ हिमाचल में क्यों होने लगा कि संस्थानों के माथे पे सरहद के निशां चस्पां हैं। हिमाचल के चार नए नगर निगमों में तलाश है सूरमाई मेयर की, तो कहीं दो विश्वविद्यालयों के घोड़ों पर सवार होने के लिए कुलपतियों की तलाश है। इस तलाश का कुछ तो मकसद रहा होगा, वरना बेरोजगार ओहदों के बाहर कतार खड़ी है। शिक्षण संस्थानों की पैरवी करने वाली ताकतों को यह क्यों मंजूर हुआ कि एकसाथ शिमला व मंडी विश्वविद्यालय बिना वीसी के फकीर बने नजर आए। योग्यता की परिपाटी में रेगिस्तान साबित होते हमारे विश्वविद्यालयों का आलम यह है कि कहीं जंजीरों के कवच में मौलिक होने की अदा है। इससे यह भी मायने निकलते हैं कि शिक्षा जैसे क्षेत्र की जरूरतें भी धक्के खा सकती हैं और दूसरा यह भी कि हम विश्वविद्यालय के स्तर पर भी सियासी जुराब रख कर इत्र ढूंढ रहे हैं। बिना वीसी के भी चल निकले जो उस इम्तिहान की क्या तारीफ करें। चल निकलने की होड़ में हर संस्थान का कचूमर इतना कि राजनीति ने हिमाचल के हर ताज पर घर बसा लिया। चार प्रमुख शहरों की बेडियां हटाने के वजूद में आए नगर निगम अब एक गणित हैं, मुगालतों का। नागरिकों ने जब धर्मशाला, पालमपुर, मंडी व सोलन नगर निकायों को नगर निगम के आवरण में देखा होगा, तो खुशफहमी यह हुई होगी कि आगे के सफर में कदमों की शक्ति आएगी, लेकिन यहां भी लोकतंत्र की हजामत हो गई। पिछले काफी समय से रोटेशन पर मेयर की तलाशी में न बंदा हाजिर है और न ही बंदगी कबूल है। नगर निगम के हाथियों पर बैठाने की जुगत भी कैसी कि तलाशियां भी मेहरबानियां ढूंढ रही हैं। जिस पे मेहरबानी बरसेगी वही शख्स मेयर की कुर्सी पर तैनात होगा।

यह लोकतंत्र की स्वीकार्यता नहीं, फिर भी हिमाचल में मेयर के प्रत्यक्ष चुनाव को अप्रत्यक्ष तरीके तक पहुंचाने में हर राजनीतिक दल का अपना-अपना शोध और दौर रहा है। यह जोर आजमाइश केवल आंकड़ों की नहीं, नीयत और नीति को जमींदोज करने की कवायद भी है, वरना अप्रत्यक्ष चुनाव की सीटियां यूं खराब न होतीं। नगर निगमों की आर्थिक हालत और शहरों की प्रशासनिक व प्रबंधकीय क्षमता पहले ही जीर्ण-शीर्ण स्थिति में है, ऊपर से 76 करोड़ की ग्रांट इन एड का छीना जाना, कंगाली में आटे को और गीला कर रहा है। मेयर का पद अगर सत्ता की शरण में पल्लवित व पुष्पित होने लगा, तो हर शहर को राज्य सरकार के ही तलवे चाटने पड़ेंगे। शहरों की आत्मनिर्भरता के लिए स्थानीय नेतृत्व की स्वतंत्र व मौलिक पहचान आवश्यक है, लेकिन हिमाचल के परिप्रेक्ष्य में स्थानीय निकायों का इस्तेमाल ही सत्ता है। यानी सत्ता के कारण और सत्ता के नाम स्थानीय निकायों का वर्चस्व देखा जाता है। विडंबना यह भी है कि समाज अपनी भूमिका में न तो स्थानीय निकायों के हिसाब से सही पार्षद ढूंढ पा रहा है और न ही इनके जरिए अपने शहर को मुकाम तक ले जा पा रहा है। बेशक पचास फीसदी आरक्षण में महिला पार्षदों की ताजपोशी हो रही है, लेकिन इस आरक्षण के भीतर भी कई आरक्षण हैं और अंततः मेयर का पद भी एक ऐसी रोटेशन का चक्रव्यूह है, जहां बार-बार सियासत घोंसले बदल कर अपनी मेहरबानियों के ताज को जन्म देती है। कायदे से अब तक चार मेयर तसदीक हो जाने चाहिए थे, लेकिन हर शहर में म्यूजिकल चेयर रेस चल रही है और इसके सूत्रधार घडियां गिन रहे हैं। जाहिर है इस तरह के चुनावों या चयन प्रक्रिया से शहर दर शहर और शहरीकरण की उम्मीदें थक रही हैं। मेयर पद केवल औपचारिकता भर रह गया है, जिससे शहर की आबादी को बस एक नामांकन मिल रहा है।

भूपिंदर सिंह

इजरायल में भारतीय जांबाजों की शौर्य गाथा

बेकसूर लोगों पर आग बनकर बरस रहा बारूद कितना अमानवीय है, इस विषय पर भी गंभीरता से विचार होना चाहिए। इजरायल को ललकारना खुद के सर्वनाश को दावत देना है। इससे पहले कि इजरायल-हमास का युद्ध तीसरी आलमी जंग का रूप अख्तियार करे, युद्ध रोकने के प्रयास हों'

'एक महान सिद्धांत के लिए युद्ध एक राष्ट्र को गौरवान्वित करता है', यह कथन अमेरिका के मशहूर लेखक, सैन्य कमांडर व वकील तथा न्यायाधीश रहे 'अल्बर्ट पाइक' का है। बेशक दुश्मन देशों से घिरा इजरायल 14 मई 1948 को आजाद मुल्क के तौर पर वजूद में आया था, लेकिन 23 सिंतबर 1918 इजरायल के इतिहास में एक अहमतरीन तारीख है। जब भारत की जोधपुर रियासत के राजपूत सैनिक इजरायल के 'हाइफा' शहर में तुर्क सेना पर शाहीन बनकर टूट पड़े थे तथा अपनी तलवारों से सल्तनत, उस्मानियां की चार सौ वर्षों की बादशाहत को खलास कर दिया था। दरअसल पहली जंगे अजीम के दौर में हाइफा पर तुर्की की उस्मानिया रियासत की हुकूमत कायम थी। प्रथम विश्व युद्ध में भारतीय ब्रिटिश सेना विश्व के कई मुल्कों के महाज पर जंग लड़ रही थी। उसी दौरान बर्तानिया हुकूमत ने इजराइल से तुर्क सेना को रुखसत करने के लिए जोधपुर, मैसूर तथा हैदराबाद, तीन रियासतों की सेनाओं को हाइफा के रण में उतारा था, मगर तुर्क सेना पर हमला मेजर 'दलपत सिंह राठौर' के नेतृत्व में केवल जोधपुर के राजपूतों ने ही किया था।

हाइफा की आजादी की जंग में जोधपुर के सैन्य कमांडर मे. दलपत सिंह राठौर अपने कई सैनिकों के साथ तुर्क सेना पर हमले के दौरान मैदान-ए-जंग में ही बलिदान हो गए थे। जंग में बहादुरी के लिए अंग्रेजों ने मे. 'दलपत सिंह राठौर' को 'मिलिट्री क्रॉस' (मरणोपरांत) से सरफराज किया था। हाइफा की जंग में राजपूताने की सेना की दास्तान-ए-सुजात से प्रभावित होकर मल्लिका-ए-बर्तानिया ने जोधपुर रियासत के रीजेंट 'प्रताप सिंह' को 'सर' की उपाधि से नवाजा था। ब्रिटिश भारतीय सेना के जनरल 'क्लाउड रॉलिन्सन' के दौर में अंग्रेजों ने सन-1922 में ब्रिटिश मूर्तिकार 'लियोनार्ड जेनिंग्स' द्वारा दिल्ली में 'त्रिमूर्ति स्मारक' तामीर करके हाइफा जंग के शूरवीरों को श्रद्धांजलि पेश की थी। स्मरण रहे हाइफा के मोर्चे पर राजपूतों की तलवारों के आगे जर्मन व तुर्क सेनाओं की तोपें व बंदूकें नाकाम सिद्ध हुई थीं। हाइफा जंग के बाद घुड़सवार सेना का प्रचलन भले ही बंद हो गया था, मगर राजपूतों की तलवारों की खनक हाइफा में आज भी महसूस की जा सकती है। दो विश्व युद्ध तथा हाइफा जंग के अलावा इजरायल की आजादी के बाद फिलिस्तीन व इजरायल के बीच शांति व अमन कायम करने के लिए भी भारतीय सेना सन-1956 से लेकर 1967 तक गाजा पट्टी में 'संयुक्त राष्ट्र इमरजेंसी फोर्स' मिशन के तहत अपनी भूमिका निभा चुकी है। दूसरी जंगे अजीम की समाप्ति पर 'संयुक्त राष्ट्र जनरल असेंबली' ने फिलिस्तीन को अरब तथा यहूदी समुदाय के बीच तकसीम करके इजरायल की बुनियाद रखी थी। उस फैसले से नाराज होकर पांच अरब देशों ने मिस्र की कयादत में इजरायल पर हमला बोल दिया था। तब 'यूएनओ' ने जंगबंदी का ऐलान कराकर गाजा पट्टी और इजरायल के बीच 60 किलोमीटर लंबी सीजफायर लाइन चिन्हित कर दी थी। ग्यारह मई 1949 को इजरायल यूएनओ का सदस्य देश बन गया।

उस वक्त जंग से बिगड़े हालात को काबू करने के लिए यूएनओ ने सन-1950 के दशक में भारत सहित अपने दस सदस्य राष्ट्रों से गाजा पट्टी के लिए संयुक्त राष्ट्र आपात फोर्स भेजने का आग्रह किया था। हिमाचल प्रदेश के रणबांकुरों से सुसज्जित 'तीन डोगरा' बटालियन भी उस शांति सेना मिशन का हिस्सा बनकर दस नवंबर 1963 को गाजा के दैर-अल-बल्लाह में पहुंची थी। इसके अलावा 'तीन पंजाब', 'दो मराठा', 'चार गाड्र्स' जैसी भारतीय सेना की दिग्गज यूनिटों ने भी 1960 के दशक में उस 'यूएनईएफ' मिशन में अहम किरदार अदा किया था। वर्तमान में इजरायल के हमसाया मुल्क लेबनॉन में सैकड़ों भारतीय सैनिक यूएनओ शांति सैन्य मिशन के तहत तैनात हैं। भावार्थ यह है कि विश्व की चौथी ताकतवर सेना की हैसियत रखने वाला एटमी ताकत से लैस भारत हमेशा से शांति का पक्षधर रहा है। इसीलिए मौजूदा दौर में युद्ध की मार झेल रहे मुल्कों की निगाहें भारत की तरफ लगी हैं। हैरत की बात है कि रूस-यूक्रेन युद्ध हो या इजरायल-हमास की जंग, दुनिया के बड़े मुल्क युद्ध की आग को भडक़ाने में लगे हैं। युद्ध रोकने के प्रयास तथा मानवाधिकारों के मुद्दे गायब हो चुके हैं। दुनिया के कई मुल्क प्रत्यक्ष युद्ध से बचकर छद्म युद्ध को अपनी रणनीति का हिस्सा बनाकर आतंक को पोषित करने में मशगूल हैं। सन-1987 में वजूद में आए हमास को अमेरिका ने सन-1997 में आतंकी संगठन घोषित कर दिया था। हरदम जंगी जुनून में जीने वाली इजरायली सेना के तेवरों से वाकिफ होने के बावजूद फिलिस्तीन के हुक्मरानों ने हमास जैसे चरमपंथी संगठन को पनाह दे डाली। नतीजतन हमास का गढ़ गाजा पट्टी वार जोन बनकर तबाही का खौफनाक मंजर पेश कर रहा है। आतंक की हिमायत कितनी जायज है, कब्रिस्तान में तब्दील हो रहे फिलिस्तीन के शहर इसका उदाहरण हैं। गाजा पट्टी में एक मुद्दत से बारूद ठंडा नहीं हुआ। बंदूकें कभी खामोश नहीं हुई। मासूम मौत की आगोश में समा रहे हैं।

दहशतगर्दी की उल्फत में डूबे मुल्कों को समझना होगा कि आतंक की पैरवी करना अपनी आवाम के लिए रोज-ए-महशर साबित होता है। इजरायली नागरिकों पर हैवानियत को अंजाम देकर हमास के लड़ाके भूमिगत हो गए। लेकिन इजरायली डिफेंस फोर्स के खूनी इंतकाम का संताप फिलिस्तीन की बेगुनाह आवाम झेल रही है। इजरायली लोगों पर हमास की दरिंदगी के बाद जिन मुल्कों ने जश्न मनाया था, इजरायल के पलटवार के बाद वो मुल्क मातम मना रहे हैं। इसलिए गाजा पर दर्द का इजहार करने वालों को हमास की बर्बरता की भी सख्त लहजे में मुखालफत करनी होगी। बहरहाल अपने राष्ट्र के अस्तित्व को बचाना तथा मुल्क की आवाम की रक्षा करना किसी भी देश की सशस्त्र सेनाओं की प्राथमिक जिम्मेवारी होती है। लेकिन बेकसूर लोगों पर आग बनकर बरस रहा बारूद कितना अमानवीय है, इस विषय पर भी गंभीरता से विचार होना चाहिए। इजरायल को ललकारना खुद के सर्वनाश को दावत देना है। इससे पहले कि इजरायल-हमास का युद्ध तीसरी आलमी जंग का रूप अख्तियार करे, युद्ध रोकने के प्रयास होने चाहिएं।

चिंतन

भैयाजी बन गए मंत्री

भैयाजी मंत्री बन गए थे। उन्हें बधाई देना मेरे लिए लाजमी था, सो उनके निवास पर पहुंचा तो वे प्लेट में गुलाब-जामुन का ढेर लगाए उन्हें गटक रहे थे। मैंने कहा-'यह क्या, आप अकेले-अकेले ही खा रहे हैं गुलाब-जामुन, मंत्री बनने की मिठाई तो हम भी खाएंगे।' वे गुलाब-जामुन को गले से नीचे उतारकर बोले-'अब तो अकेले ही खाना है शर्मा। चुनाव में तुमने कम खाया क्या? अभी तो मैं ढाबे वालों का हिसाब भी चुकता नहीं कर पाया हूं।' मैं बोला-'अब चुनाव प्रचार में भैयाजी अपने घर से परांठे-अचार थोड़े ही बांधकर ले जाता। तुम्हें तो पता होगा मैंने कितनी मेहनत की है आपको जितवाने में।' 'मुझे सब पता है शर्मा, लेकिन कान खोलकर सुन लो, अब मैं मंत्री बन गया हूं। तुम्हें तो पता होगा कि मंत्री की क्या महत्ता होती है तथा उसकी शक्तियां कितनी असीम हैं?' मैंने कहा-'लेकिन आप डरा तो नहीं रहे यह कहकर। मानता हूं आपने चुनाव में 50 लाख खर्च किए हैं, उनकी उगाही कम समय में करनी है, अल्पमत की गठबंधन सरकार है, पता नहीं कब कौन समर्थन वापस ले ले। आजकल सरकारों का भी पता नहीं कब गिर जाए। इसलिए दोनों हाथों से सूतना है?' मेरी बात पर वे खुलकर हंसे, गुलाब-जामुन की खाली प्लेट को एक ओर सरकाया और बोले-'चाय पियोगे?' 'अकेली चाय, सुबह से नाश्ता नहीं किया। कुछ साथ में खाने को भी मंगवा लीजिए।' मैंने कहा, तो वे बोले कुछ नहीं, बस खांसते रहे। मैं बोला-'क्यों खांसी हो गई है क्या?' वे विषयान्तर करके बोले-'देखो, जहां तक सूतने की बात है, मैं लम्बा ही हाथ मारूंगा, करोड़ों का घोटाला करूंगा। घोटाला करना मंत्री के लिए जरूरी हो गया है। किसी भी मद का पैसा खा जाऊंगा।' यह कहते हुए उनके चेहरे पर आत्मविश्वास बहुत साफ झलक रहा था।

मैंने तभी अपना प्रश्न दागा-'इससे तो आपका कैरियर चौपट हो जाएगा। पद से हटा दिए जाओगे। मेरे विचार से भैयाजी पहले आप थोड़ा अपनी 'इमेज' बना लेते तो घोटाला आसान हो जाता।' 'शर्मा, मुझे मत समझाओ। मुझे पागल कुत्ते ने नहीं काटा हैं, मैं वक्त बरबाद नहीं करूंगा। लाइसेंस, परमिट, ठेके और पता नहीं कितने मामले आ रहे हैं-जिनमें पांचों अंगुलियां घी में होंगी। देने को आश्वासन और धोखे के मेरे पास शेष बचा ही क्या है?' 'और जनसेवा?' 'इस बात पर, मैंने जन को देख लिया। वोट के लिए उसने मुझे क्या-क्या पापड़ बिलाए हैं।' जनसेवा शब्द पर उन्होंने क्रोध में दांत बजाए, मु_ियां भींची और तिलमिलाकर बोले-'कैसा जन और कैसी सेवा, इन्हें मैंने अपने शब्दकोश से ही निकाल दिया है।' मैं बोला-'इसके बिना तो अगला चुनाव जीत पाना कठिन हो जाएगा।' 'चुनाव का नाम मत लो मेरे भाई, और नौबत भी आई तो चुनाव तो अब एक स्टंट है, जिसे जीतना अब मेरे लिए मुश्किल नहीं है। चुनाव जीतने के लिए मेरे पास शराब है, कम्बल है, जातिवाद है, क्षेत्रीयता है और साम्प्रदायिकता है। मैं सब गुर जान गया हूं और सुनो, इनके अलावा तुम्हारे जैसे एक हजार चमचे हैं, जो दुम हिलाते हुए आ जाएंगे अपना चारा खाने। यह क्यों भूल जाते हो कि चुनाव से तुम्हारा भी धंधा चलता है।' भैयाजी बोले, तो मैं तनिक तुनककर बोला-'आप मुझे चमचा समझते हैं, मैं आपको बड़ा भाई समझकर इज्जत करता रहा। आपने मेरा कद गिराया है भैयाजी, यह बात मुझे बुरी लगी है।'

पूरन सरमा

इनसाइड

मजबूती के साथ खुला है भारतीय करेंसी, डॉलर के मुकाबले इतने पैसे की हुई बढ़त

परिवहन विशेष न्यूज

शुक्रवार के कारोबारी सत्र में डॉलर के मुकाबले रुपया 2 पैसे की मामूली बढ़त के साथ खुला है। इस बढ़त ने गिरावट के दौर को रोक दिया है। भारतीय करेंसी के साथ आज शेयर बाजार भी हरे निशान पर खुला है। इस बढ़त की वजह है कि बीते दिन गुरुवार को ग्लोबल मार्केट में डॉलर कमजोर हो गया था।

नई दिल्ली। शुक्रवार के कारोबारी सत्र में शेयर बाजार बढ़त के साथ खुला है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर कमजोर हो गया है। इस गिरावट ने रुपये में तीन दिन की गिरावट को रोक दिया है। आज अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 2 पैसे बढ़कर 83.23 पर पहुंच गया।

इस मामूली बढ़त ने निवेशकों को सकारात्मक तौर पर प्रभावित किया है। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और विदेशी इक्विटी निवेशकों के बिकवाली दबाव का भारतीय मुद्रा पर असर डाल रहा है।

रुपया में आई बढ़त

आज अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में, स्थानीय इकाई 83.24 पर खुली और ग्रीनबैक के मुकाबले बढ़कर 83.23 पर पहुंच गई, जो पिछले बंद से 2 पैसे अधिक है। बीते दिन गुरुवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ रुपया डॉलर के मुकाबले 8 पैसे गिरकर 83.25 पर बंद हुआ। वहीं, हफ्ते के पहले दिन सोमवार को रुपया में 4 पैसे की गिरावट आई थी, इसके बाद बुधवार को 1 पैसे की गिरावट के साथ यह डॉलर के मुकाबले 83.17 पर बंद हुआ। 24 अक्टूबर 2023 को दशहरा के अवसर पर विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे।

इस बीच, डॉलर सूचकांक में डॉलर 0.03 प्रतिशत कम होकर 106.57 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल मूल्य बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.27 प्रतिशत की तेज वृद्धि के साथ 89.05 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

शेयर बाजार हरे निशान पर

शेयर बाजार में भी गिरावट का दौर थम गया है। आज सेंसेक्स 272.63 अंक या 0.43 प्रतिशत चढ़कर 63,420.78 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 88.20 अंक या 0.47 प्रतिशत बढ़कर 18,945.45 पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गुरुवार को 7,702.53 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची।

आरबीआई ने पंजाब नेशनल बैंक, फेडरल बैंक और 2 एनबीएफसी पर लगाया आर्थिक जुर्माना; जानिए क्या है वजह

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने Punjab National Bank Federal Bank Kosamattam Finance और Mercedes-Benz Financial Services पर आर्थिक जुर्माना लगाया है। आरबीआई के बयान के मुताबिक पंजाब नेशनल बैंक पर 72 लाख रुपये फेडरल बैंक पर 30 लाख रुपये कोसमट्टम फाइनेंस पर 13.38 लाख रुपये और मर्सिडीज-बेंज फाइनेंशियल सर्विसेज पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने शुक्रवार को कहा कि उसने केंद्रीय बैंक के मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए Punjab National Bank, Federal Bank, Kosamattam Finance और Mercedes-Benz Financial Services पर आर्थिक जुर्माना लगाया है। आइए, जान लेते हैं कि आरबीआई ने इन कंपनियों पर कितनी पेनल्टी लगाई है?

RBI ने लगाया इतने रुपये का जुर्माना

आरबीआई के बयान के मुताबिक, पंजाब नेशनल बैंक पर 72 लाख रुपये, फेडरल बैंक पर 30 लाख रुपये, कोसमट्टम फाइनेंस पर 13.38 लाख रुपये और मर्सिडीज-बेंज फाइनेंशियल सर्विसेज पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सभी कंपनियों की अलग-अलग खामियों की वजह से उन पर ये आर्थिक जुर्माना लगाया गया है।

क्या है वजह?

पंजाब नेशनल बैंक पर उन उल्लंघनों के लिए जुर्माना लगाया गया है, जिनमें कोर बैंकिंग सॉल्यूशन में अमान्य मोबाइल नंबर बनाए रखने के बावजूद कुछ खातों पर एसएमएस शुल्क लगाना, कई सावधि जमा खातों में पूर्व-घोषित कार्यक्रम के अनुसार ब्याज दरों का सख्ती से पालन नहीं करना और एमसीएलआर से जुड़े ऋणों में ब्याज रीसेट तिथि निर्दिष्ट करने में विफल होना शामिल है।

फेडरल बैंक को ड्राफ्ट पर खरीदार का नाम शामिल किए बिना 50,000 रुपये और उससे अधिक के डिमांड ड्राफ्ट जारी करने के लिए दंडित किया गया है। कुछ ऋण खातों में 75 प्रतिशत का ऋण-से-मूल्य अनुपात नहीं बनाए रखने के लिए

कोसमट्टम फाइनेंस को दंडित किया गया है।

इसके अलावा मर्सिडीज-बेंज फाइनेंशियल सर्विसेज इंडिया पर अपने ग्राहकों की उचित देखभाल नहीं करने और अपने उच्च जोखिम वाले ग्राहकों की नो योर कस्टमर (KYC) जानकारी को अपडेट नहीं करने के लिए जुर्माना लगाया गया है।

आखिरी तारीख से पहले इन 7 तरीकों से जमा करें अपना जीवन प्रमाण पत्र, चूक गए तो बंद हो जाएगी पेंशन

वैसे वरिष्ठ नागरिकों जो पेंशन उठाते हैं उन्हें अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा करवाना अनिवार्य है। ऐसे नागरिक 1 नवंबर से अपना लाइफ सर्टिफिकेट जमा कर सकते हैं। आप कुल सात तरीकों से अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं। जानिए कौन-कौन से तरीकों से आप अपना लाइफ सर्टिफिकेट जमा कर सकते हैं।

नई दिल्ली। देश में सभी पेंशनभोगियों को पेंशन लेने के लिए हर साल लाइफ सर्टिफिकेट यानी जीवन प्रमाण पत्र जमा करना होता है ताकी उनकी पेंशन जारी रहे।

वैसे नागरिक जो अति वरिष्ठ की श्रेणी में आते हैं उनके लिए प्रमाण पत्र जमा करवाने की विंडो अक्टूबर से खुली हुई है जो नवंबर तक चलेगी लेकिन अब 1 नवंबर से सभी वरिष्ठ नागरिक यानी 60 से 80 साल के नागरिक अब अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं।

आपको बता दें कि वैसे वरिष्ठ नागरिक जो पेंशन उठाते हैं वो अपना लाइफ सर्टिफिकेट कुल सात तरह से जमा करवा सकते हैं। चलिए जानते हैं क्या है वो तरीके।

कौन-कौन से तरीकों से कर सकते हैं लाइफ सर्टिफिकेट जमा?

जीवन प्रमाण पोर्टल (Jeevan Pramaan portal)

₹उमंग₹ मोबाइल ऐप (Umang Mobile App)

वीडियो-आधारित ग्राहक पहचान प्रक्रिया (Video-based Customer Identification Process)

डाकघरों में बायोमेट्रिक डिवाइस (Biometric devices at Post offices)

शाखाओं में भौतिक जीवन प्रमाणपत्र फॉर्म (Physical Life Certificate forms at Branches)

डोरस्टेप बैंकिंग (डीएसबी) एजेंट (Doorstep Banking (DSB) Agent)

चेहरा प्रमाणीकरण (Face Authentication)

लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना की क्या है आखिरी तारीख?

लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने की आखिरी तारीख 30 नवंबर है। जिनकी उम्र 80 साल या उससे अधिक है उनके लिए भी अभी तक आखिरी तारीख 30 नवंबर है। 60 से 80 साल के बीच वाले नागरिकों के लिए भी 30 नवंबर ही आखिरी तारीख है। हालांकि अति वरिष्ठ नागरीक 1 अक्टूबर से लाइफ सर्टिफिकेट जमा करवाने की सुविधा थी।

आखिरी तारीख चूकने पर क्या होगा

अगर आप 30 नवंबर की तारीख चूक गए तो उससे अगले महीने से आपका पेंशन रोक दिया जाएगा। लेकिन जैसे रही आप अपना लाइफ सर्टिफिकेट जमा करवा देते हैं आपकी पेंशन दोबारा शुरू कर दी जाएगी।

आदित्या बिरला कैपिटल ने दूसरी तिमाही में 705 करोड़ रुपये, कंपनी से मुनाफे में हुआ 44 फीसदी इजाफा

Aditya Birla Capital ने दूसरी तिमाही में 705 करोड़ रुपये का मुनाफा है जो पहले से 44 प्रतिशत बढ़ गया है। आपको बता दें कि एक साल पहले इसी अवधि में इसने 488 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनी गैर-बैंकिंग वित्त (एनबीएफसी) व्यवसाय आवास वित्त परिसंपत्ति प्रबंधन जीवन और सामान्य बीमा सहित अन्य क्षेत्रों में मौजूद है।

नई दिल्ली। Aditya Birla Capital का दूसरी तिमाही का मुनाफा 44 प्रतिशत बढ़कर 705 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी ने शुक्रवार को बताया है कि उसने सितंबर 2023 को समाप्त तिमाही के लिए समेकित आधार पर लाभ में 44 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 705 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की है। आइए, पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

Aditya Birla Capital को हुआ इतना मुनाफा

Aditya Birla Capital ने दूसरी तिमाही में 705 करोड़ रुपये का मुनाफा है, जो पहले से 44 प्रतिशत बढ़ गया है। आपको बता दें कि एक साल पहले इसी अवधि में इसने 488 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। आदित्य बिरला कैपिटल लिमिटेड (एबीसीएल) ने एक विज्ञप्ति में कहा कि 2023-24 की जुलाई-सितंबर अवधि में कंपनी का कुल समेकित राजस्व 22 प्रतिशत बढ़कर 8,831 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 7,210 करोड़ रुपये था।

क्या करती है कंपनी?

कंपनी गैर-बैंकिंग वित्त (एनबीएफसी) व्यवसाय, आवास वित्त, परिसंपत्ति प्रबंधन, जीवन और सामान्य बीमा सहित अन्य क्षेत्रों में मौजूद है। एबीसीएल आदित्य बिड़ला समूह के वित्तीय सेवा व्यवसायों की होल्डिंग कंपनी है।

इसमें कहा गया है कि व्यवसायों में मजबूत गति के कारण 30 सितंबर, 2023 तक कुल ऋण पोर्टफोलियो (एनबीएफसी और एचएफसी) में साल-दर-साल 41 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 1,08,961 करोड़ रुपये हो गया।

जोमेटो ने जारी किए दूसरी तिमाही के नतीजे, टैक्स भरने के बाद कंपनी को हुआ 36 करोड़ का मुनाफा

कंपनी के तिमाही में परिचालन से राजस्व 2848 करोड़ रुपये था जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 1661 करोड़ रुपये था। एक नियामक फाइलिंग के अनुसार एक साल पहले की तिमाही में यह 2092 करोड़ रुपये था। आइए कंपनी द्वारा पेश किए गए आंकड़ों के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म Zomato ने शुक्रवार को जबरदस्त मुनाफा कमाते हुए सितंबर 2023 को समाप्त दूसरी तिमाही के लिए 36 करोड़ रुपये का कर पश्चात समेकित लाभ दर्ज किया है। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी को 251 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। आइए, इसके नतीजों के बारे में जान लेते हैं।

फायदे में Zomato

कंपनी के तिमाही में परिचालन से राजस्व 2,848 करोड़ रुपये था, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 1,661 करोड़ रुपये था। एक नियामक फाइलिंग के अनुसार, एक साल पहले की तिमाही में यह 2,092 करोड़ रुपये था। कंपनी ने यह भी घोषणा की कि उसके बोर्ड ने पुर्तगाल में स्थित एक सहयोगी कंपनी ZMT यूरोप LDA में 30 प्रतिशत के पूरे वोटिंग अधिकारों की बिक्री को 1.80 लाख यूरो (लगभग 1,59,45,300 रुपये) की कुल बिक्री पर मंजूरी दे दी है।

ब्लिंकिट ने भी दर्ज किया मुनाफा

शेयरधारकों को लिखे पत्र में कंपनी ने बताया कि उसके क्विक कमर्शियल बिजनेस (ब्लिंकिट) का योगदान पहली बार पूरी तिमाही के लिए सकारात्मक हो गया है। व्यवसाय में सकल ऑर्डर मूल्य (GOV) के प्रतिशत के रूप में योगदान मार्जिन पिछले साल Q2FY23 में -7.3 प्रतिशत (जब इसने व्यवसाय हासिल किया था) से बढ़कर अब Q2FY24 में 1.3 प्रतिशत हो गया है।

दीपिंदर गोयल ने क्या कहा?

इसको लेकर कंपनी के फाउंडर और सीईओ दीपिंदर गोयल ने कहा, ₹हमने Q1FY24 में जो विकास की गति देखी, वह हमारे सभी व्यवसायों में स्वस्थ विकास के कारण Q2FY24 में जारी रही।₹ उन्होने कहा कि हमने 41 करोड़ रुपये के समायोजित EBITDA के साथ लगातार दूसरी लाभदायक तिमाही दर्ज की, जबकि पिछली तिमाही (Q1FY24) में 12 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था और पिछले साल की

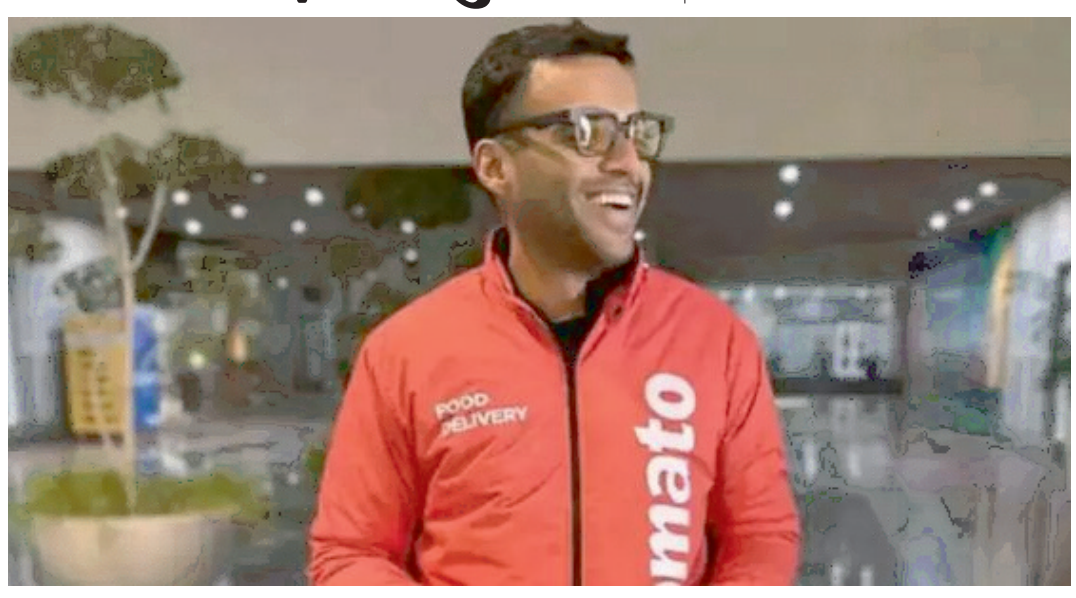

समान तिमाही (Q2FY23) में 192 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।

Zomato के सीएफओ अक्षत गोयल ने कहा, ₹संतुलन के तौर पर, हमारा मानना है कि अगली तिमाही में खाद्य वितरण में क्यूओक्यू जीओवी वृद्धि मध्यम होनी चाहिए - उच्च एकल अंक के आसपास जो लगभग 25-30 प्रतिशत साल-दर-साल जीओवी वृद्धि में तब्दील होनी चाहिए।

घर बैठे ही मिल जाएगा PM Kisan Yojana के पैसे, मोबाइल से ही कर पाएंगे आप रजिस्ट्रेशन

पीएम किसान योजना केंद्र सरकार द्वारा चलाई जारी रही पीएम किसान योजना में कई किसान अभी तक पंजीकृत नहीं हुए हैं। इस योजना में पंजीकरण करने के लिए आपको किसी केंद्र में जाने की जरूरत नहीं है। आप अपने मोबाइल फोन से आसानी से पंजीकरण कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि मोबाइल फोन से पंजीकरण करने का प्रोसेस क्या है?

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने किसानों को आर्थिक सहायता देने के लिए पीएम किसान सम्मान निधि योजना शुरू की थी। इस योजना में आर्थिक तौर से कमजोर वर्ग वाले किसान को आर्थिक लाभ मिलता है। देश में कई किसान इस योजना से जुड़ गए हैं। वहीं, कई किसान अभी तक इस योजना से नहीं जुड़े हैं। उन्हें भी इस योजना से जुड़ने के लिए सरकार निरंतर पंजीकरण के प्रोसेस को आसान करते हैं। ऐसे में ज्यादा से किसान इस योजना से जुड़ सकते हैं। अगर आप भी इस योजना के पात्रता के योग्य है और अभी तक इस योजना से नहं जुड़े हैं तो आप अपने फोन से आसानी से पंजीकरण कर सकते हैं। आइए, जानते हैं कि आप मोबाइल से रजिस्ट्रेशन कैसे कर सकते हैं।

फोन से कैसे करें रजिस्ट्रेशन

आपको गूगल स्टोर (Google Store) से पीएमकिसान ऐप (PMKISAN App) को डाउनलोड करना है। इसके अलावा आप पीएम किसान की अधिकारिक पोर्टल से भी PMKISAN ऐप को इंस्टॉल कर सकते हैं।

ऐप पर आपको अपने लिए भाषा का चयन करना है।

इसके बाद 'नया किसान पंजीकरण' को सिलेक्ट करें।

अब आप अपना आधार कार्ड नंबर, कैप्चा दर्ज करें और आगे बढ़े पर क्लिक करें। इसके बाद आप बैंक डिटेल्स, आईएफएससी कोड, जमीन के दुसतावेज जैसे बाकी जानकारी भरें। सभी जानकारी भरने के बाद आपको सबमिट पर क्लिक करना है। इस तरह रजिस्ट्रेशन का प्रोसेस पूरा हो जाएगा।

पीएम किसान योजना क्या है

पीएम किसान योजन एक आर्थिक योजना है। इस योजना में किसान को सालाना 6,000 रुपये की राशि दी जाती है। यह राशि किस्तों के तौर पर दी जाती है। हर किस्त में 2,000 रुपये किसान के बैंक में डायरेक्ट जमा हो जाती है। यह स्कीम 1 दिसंबर 2018 को शुरू हुई थी। यह योजना किसानों के लिए काफी लोकप्रिय है।

पीएम किसान योजना का लाभ केवल परिवार में एक सदस्य क मिलता है। इस योजना के लाभ पाने के लिए ई-केवाईसी और जमीन का सत्यापन करवाना जरूरी है। अगर यह नहीं होता है तो योजना की किस्त रुक भी सकती है। सरकार ने इस योजना की 14 किस्त जारी कर दी है और जल्द ही किसानों के अकाउंट में 15वीं किस्त आ सकती है।

दिल्ली टैक्सी टूरिस्ट ट्रांसपोर्टेस एसोसिएशन ने दिल्ली सरकार, दिल्ली ट्रांसपोर्ट विभाग और CAQM के खिलाफ मुख्यमंत्री निवास के पास भारी धरना प्रदर्शन किया

● डीजल BS 3/4 टैक्सी बसों की जितनी लाइफ हैं उनको उतने दिन चलने दिया जाए : संजय सम्राट, अध्यक्ष, दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली टैक्सी टूरिस्ट ट्रांसपोर्टेस एसोसिएशन ने दिल्ली सरकार, दिल्ली ट्रांसपोर्ट विभाग और CAQM के खिलाफ मुख्यमंत्री निवास के पास भारी धरना प्रदर्शन किया.

एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट का कहना हैं की 26 अक्टूबर 2023 के आदेश मे BS 3/4 डीजल बसों को दिल्ली एनसीआर मे एंट्री बंद करने के निर्देश दिए थे, जबकि यें आदेश सिर्फ एनसीआर मे हरियाणा राजस्थान और उत्तर प्रदेश की परिवहन बसों के लिए था जो रोज दिल्ली मे आती थी. इसका हमने 30 अक्टूबर को जंतर मंतर पर भारी धरना प्रदर्शन करके विरोध किया और कमिसन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट की शिकायत प्रधानमंत्री ,नरेंदर मोदी जी और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री श्री भूपेंद्र यादव जी से की उसका नतीजा यें रहा की 2 नवम्बर को CAQM को अपना गलत फैसला वापिस लेना पड़ा और BS 3/4 डीजल बसों को दिल्ली एनसीआर मे परिचालन की इज्जाजत दें दी. लेकिन 1 जुलाई 2024 को BS 3/4 डीजल बसों को जो पूरे भारत से दिल्ली मे आती हैं उनको परमानेंट बंद करने का आर्डर भी दें दिया.

ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट का कहना हैं की आज के आंदोलन मे हमारी जो मुख्य मांग थी की डीजल BS 3/4 टैक्सी बसों की जितनी लाइफ हैं उनको उतने दिन चलने दिया जाए. साथ ही LMV गाड़ियों को जो ग्रेप 3 मे रखा हैं ऐसी डीजल की BS 3/4 टैक्सी और टेम्पो ट्रेवलर को ग्रेप सिस्टम से बाहर रखा जाए.

क्योंकि यें गाड़ियाँ आल इंडिया टूरिस्ट परमिट की गाड़ियाँ हैं और ज्यादातर दिल्ली से बहार टूर पर जाती रहती हैं, यें गाड़ियाँ प्रदूषण कहाँ से फैलाएंगी.

प्रदूषण पराली जलाने से होता हैं जिसको CAQM और दिल्ली सरकार रोकने मे असफल हो चुकी हैं. प्रदूषण कंस्ट्रक्शन के काम से से होता हैं लुटियन जोन और इंडिया गेट के पास और पूरी दिल्ली एनसीआर मे हजारों बिल्डिंग बन रही हैं जिस से पूरे वातावरण मे धुल मिट्टी हैं लेकिन CAQM और दिल्ली सरकार इनको भी रोकने मे पूरी तरह विफल हो चुकी हैं, इन कंस्ट्रक्शन साइट पर हजारों डीजल BS 2/3 /4 के ट्रक रोजाना आते हैं इनको भी CAQM और दिल्ली सरकार नहीं रोक पाई. इसके अलावा दिल्ली मे हजारों की संख्या मे डीजल BS 2/3/4 ट्रक रोज रात को दिल्ली मे आते हैं और सुबह प्रदूषण करके चले जाते हैं. CAQM और दिल्ली सरकार ने इन्हे भी नहीं रोक सकी.

बल्कि ऐसे ट्रक को इन्होने ग्रेप 4 स्टेज मे रखा हैं. जब AQI 451 होगा.

लाखों स्कूटी और बाइक जो की BS 3 पेट्रोल की हैं उनको भी नहीं रोका गया. दिल्ली ट्रांसपोर्ट विभाग और दिल्ली पुलिस मे हजारों डीजल इन्नोवा क्रिस्टा चल रही हैं जो की BS 4 डीजल की हैं उन्हें भी चलने की इज्जाजत दी गई हैं, केंद्र सरकार मे VIP की सुरक्षा मे हजारों डीजल BS 4 गाड़ियाँ चल रही हैं उन्हें भी रोका गया.

दिल्ली सरकार, दिल्ली परिवहन विभाग और CAQM हमारी डीजल BS 3/4 LMV की टैक्सी और टेम्पो ट्रेवलर का 20 हजार का चलान करवा रहें हैं और डर की वजह से ट्रांसपोर्टर्स ने अपनी बुकिंग केन्सिल कर दी हैं और भारी आर्थिक नुक्सान उठाना पड़ रहा हैं. दिल्ली मे आये देसी विदेशी पर्यटको की बुकिंग केन्सिल की जा रही हैं जिस से पर्यटको मे भी बड़ा गुस्सा हैं और देसी विदेशी पर्यटक दिल्ली मे आने से तौबा कर रहें हैं और भारत का नाम टूरिज्म मे बदनाम हो रहा हैं वैसे ही भारत मे टूरिज्म की हालत सही नहीं हैं.

आज के प्रदर्शन के बाद श्री अरविन्द केजरीवाल जी, मुख्यमंत्री और गोपाल राय पर्यावरण मंत्री और ट्रांसपोर्ट कमिसनर को भी ज्ञापन सौपे गए. इसके अलावा CAQM के चेयरमैन एम एम कुट्टी और मेंबर सेक्रेटरी श्री अरविन्द नौटियाल जी को भी ज्ञापन देकर हमारी BS 3/4 डीजल टैक्सी और टेम्पो ट्रेवलर को चलाने की इज्जाजत मांगी साथ ही इन गाड़ियों को ग्रेप 3 स्टेज से परमानेंट बाहर निकालने की मांग करी. इसके साथ आल इंडिया टूरिस्ट परमिट डीजल BS 3/4 बसों की लाइफ जितनी हैं उतनी चलने की मांग भी की.

संजय सम्राट कहना हैं की अगर हमारी मांगे नहीं मानी गई तो चक्का जाम किया जायेगा क्योंकि यें हमारी रोजी रोटी का सवाल हैं।

दीपावली इफेक्ट : पांच गुना तक महंगी हुईं डायरेक्ट फ्लाइट , ट्रेनों में नो रूम जैसे हालात , बसों का विकल्प खुला

दीपावली का पर्व 12 नवंबर को मनाया जाएगा। ऐसे में दिल्ली व मुंबई से आने वाली ट्रेनों में यात्रियों को कन्फर्म सीटें नहीं मिल रही हैं। एसी बोगियों में यात्रा करने वाले विमानों का रुख कर रहे हैं।

परिवहन विशेष न्यूज

लखनऊ। दीपावली करीब आते-आते विमानों के किराये ने उड़ान भर दी है। दिल्ली व मुंबई से लखनऊ आने वालों को पर चार से पांच गुना तक अधिक खर्च करना पड़ रहा है। यह स्थिति डायरेक्ट फ्लाइटों की है। कनेक्टिंग फ्लाइटों का किराया तो इससे भी ज्यादा महंगा है।

दीपावली का पर्व 12 नवंबर को मनाया जाएगा। ऐसे में दिल्ली व मुंबई से आने वाली ट्रेनों में यात्रियों को कन्फर्म सीटें नहीं मिल रही हैं। एसी बोगियों में यात्रा करने वाले विमानों का रुख कर रहे हैं। पर, आसमान छूते किराये से उनके पसीने छूट रहे हैं। दस नवंबर को इंडिगो की सुबह 5:45 बजे लखनऊ के लिए रवाना होने वाली डायरेक्ट फ्लाइट का किराया 12,219 रुपये पहुंच गया है। इंडिगो की ही सुबह 7.55 बजे, शाम 4.30 बजे व शाम 5.30 बजे उड़ान भरने वाले डायरेक्ट फ्लाइट का किराया 14,740 रुपये है। अन्य उड़ानों की भी कमोबेश यही स्थिति है। वहीं 11 नवंबर को रात 11:45 बजे दिल्ली से लखनऊ आने वाली इंडिगो की फ्लाइट का किराया 20,462 रुपये पहुंच गया है।

25 हजार पार कनेक्टिंग फ्लाइट का किराया

मुंबई से सुबह 5:15 बजे व सुबह 11.20 बजे लखनऊ आने वाली इंडिगो की डायरेक्ट फ्लाइटों का किराया 21,512 रुपये पहुंच गया है। कनेक्टिंग फ्लाइटों का किराया 15,761 रुपये से लेकर 25,302 रुपये तक पहुंच चुका है, जबकि 11 नवंबर को डायरेक्ट फ्लाइटों का किराया 20,462 रुपये है।

आम दिनों में दिल्ली का किराया 4000 तो मुंबई का 5000 होता है

विमानों के महंगे किराये की बात की जाए तो दिल्ली से लखनऊ आने वाली उड़ानें पांच गुना तक और मुंबई से आने वाली डायरेक्ट फ्लाइटें चार गुना तक महंगी हो गई हैं। आम दिनों में दिल्ली का टिकट चार हजार तो मुंबई का पांच हजार रुपये तक मिल जाता है। पर, इन दिनों इसकी उम्मीद करना भी बेमानी है।

त्योहार पर ट्रेनों में सीटों की मारामारी

दीपावली मनाने के लिए दिल्ली व मुंबई से लखनऊ आने वालों के लिए ट्रेनों की चेयरकार से लेकर एसी बोगियां तक फुल हैं। लंबी वेटिंग से यात्रियों के चेहरे पर मायूसी है। तत्काल कोटे की आस में सुस्त सर्वर अड़ंगे लगा रहा है। दिल्ली से आने वाली ट्रेनों की वेटिंग 400 व मुंबई की 372 पार पहुंच चुकी है। दीपावली का पर्व 12 नवंबर को मनाया जाना है। दिल्ली व मुंबई से हजारों की तादाद में यात्री लखनऊ आते हैं। ऐसे में इन जगहों से लखनऊ आने वाली ट्रेनों में लंबी वेटिंग से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है।

मुंबई से लखनऊ आने वाली पुष्पक एक्सप्रेस की स्लीपर में 10 व 11 नवंबर को वेटिंग क्रमशः 359, 372, थर्ड एसी में 231 व 227 पहुंच गई है। पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस के स्लीपर में तो इन तारीखों में सीट ही नहीं है। एलटीटी-गोरखपुर एक्सप्रेस की स्लीपर में 10 व 11 को क्रमशः 145, 133 व थर्ड एसी में 50, रिग्रेट चल रहा है। कुशीनगर एक्सप्रेस की स्लीपर में 144, रिग्रेट, थर्ड एसी में 96, 98 वेटिंग है। अवध एक्सप्रेस व बांद्रा टर्मिनस गोरखपुर एक्सप्रेस में भी वेटिंग चल रही है। वहीं एलटीटी सीवान स्पेशल ट्रेन की थर्ड एसी इकॉनमी क्लास में भी सीटें खाली नहीं हैं।

बसों में अभी है टिकट मिलने की गुंजाइश

डबलडेकर की चेयरकार में 159 वेटिंग

दूसरी ओर दिल्ली से 10 व 11 नवंबर को लखनऊ आने वाली कॉर्पोरेट ट्रेन तेजस एक्सप्रेस में 154 व 90 तथा शताब्दी एक्सप्रेस में 252 व 338 वेटिंग पहुंच गई है। जबकि डबलडेकर एक्सप्रेस की चेयरकार में दस को 159 वेटिंग है, 12 को 797 सीटें खाली हैं। ऐसे ही एसी एक्सप्रेस की थर्ड एसी में 10 नवंबर को कोई सीट खाली नहीं है जबकि 11 को 97 वेटिंग है। लखनऊ मेल की स्लीपर में 363, 400 व थर्ड एसी में रिग्रेट व 78 वेटिंग है।

धोखेबाज सर्वर ने फिर रुलाया

तत्काल कोटे में ढाई हजार से अधिक सीटें हैं। ऐसे में रेगुलर ट्रेनों में वेटिंग की मार झेल रहे यात्रियों के लिए तत्काल कोटे की आस है। पर, सुस्त सर्वर के चलते उन्हें कन्फर्म टिकट नहीं मिल पा रहे हैं। शुक्रवार को तत्काल कोटे के तहत पुणे, मुंबई, सिकंदराबाद, पटना, दिल्ली, चंडीगढ़, जम्मू की ट्रेनों की सीटें यात्रियों को नहीं मिल पाईं। स्लीपर व एसी में क्रमशः 278 व 153 सीटें थीं, पर यात्रियों को वेटिंग सीटें ही हाथ लगीं।

130 अतिरिक्त बसें दिल्ली के यात्रियों को देंगी राहत

उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम दिल्ली के लिए 130 अतिरिक्त बसें चलाएगा। ये बसें आनंदविहार से कैसरबाग, आलमबाग आदि बस अड्डों तक आएंगी। इससे हजारों यात्रियों को राहत मिलेगी।

क्या नब दास के बेटे के लिंक से डर गई थी पुलिस?

मनोरंजन सासमल , ओड़िशा

भुबनेस्वर : भुबनेस्वर् मे Hit And Run मामले में रेंज रोवर की लापरवाह ड्राइविंग घटना के पीछे कौन सा प्रभावशाली व्यक्ति है? घटना की चर्चा के बीच नई जानकारी सामने आई है. अफवाह है कि गाड़ी पूर्व स्वास्थ्य मंत्री नब दास के बेटे बिशाल की है. झारसुगुड आरटीओ से मिली जानकारी के मुताबिक गाड़ी आर्मर्स वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड की है.

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, इसी कंपनी के निदेशकों में से एक बिसाल दास हैं।

गरीबों को मजदूरी देकर 2000 के नोट बदल रहे हैं बीजेपी और बीजेडी नेता: कांग्रेस

मनोरंजन सासमल , ओड़िशा

भुबानेश्वर : रिजर्व बैंक के सामने लंबी लाइन लगी हुई है और 2000 रुपये के नोट बदलने को लेकर सियासत तेज है. कांग्रेस का आरोप है कि बीजेपी और बीजेडी के वरिष्ठ नेता गरीबों को दिहाड़ी देकर उनके 2000 के नोट बदल रहे हैं.कांग्रेस भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीसीसी प्रवक्ता रजनी रंजन ने आरोप लगाया कि करीब 600 से 700 बेहद गरीब लोग 2000 रुपये के नोट के साथ भुवनेश्वर में रिजर्व बैंक कार्यालय के सामने लंबी कतार में खड़े हैं. इतनी लंबी लाइन 14 अक्टूबर से 18 दिनों से लगी हुई है, लेकिन कमिश्नरेट पुलिस, राज्य आर्थिक अपराध शाखा और केंद्र सरकार अभियोजन कार्यालय के अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं. मीडिया ने भी इस घटना को बार-बार दिखाया और पूछा कि यह पैसा किसका है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई, यह चिंताजनक है।

सरकार ने जनता को 2000 के नोट बदलने के लिए पिछले मई से 7 अक्टूबर तक का समय दिया था. लेकिन हैरानी की बात यह है कि इतने लंबे समय के बाद भी भुवनेश्वर में इस बात की कोई खोज नहीं की गई कि 2000 रुपए के ये करोड़ों नोट किसके पास हैं। वे पिछले 7 महीनों में इन नोटों को क्यों नहीं बदल सके? रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, चलन में मौजूद 2000 के 97 फीसदी नोट बैंक में वापस आ गए हैं. बाजार में जमा 3 फीसदी 2000 के नोटों की कीमत करीब 10 हजार करोड़ रुपये है. तो नोटबंदी के दौरान आम लोगों को एक दिन की भी मदद नहीं देने वाली सरकार ने 2000 के सिक्कों को बदलने का समय क्यों बढ़ाया? ओडिशा में 14 अक्टूबर से दैनिक मजदूरी लोगों ने नोट बदल का काम कर रही है । कांग्रेस ने सवाल उठाया है कि ये नोट किसीका हैं और ये कौन हैं.

इन गरीबों के जरिए किसके हित में नोट बदले जा रहे हैं? कांग्रेस ने सवाल किया कि सरकार यह कहने के बाद भी पैसे बदलने का मौका क्यों दे रही है कि गरीब जो पैसा बदलाव के लिए लाए हैं वह उनका नहीं है। क्या यह बीजेपी और बीजेडी के वरिष्ठ नेताओं का पैसा है? उन्होंने सवाल किया कि राज्य की आर्थिक अपराध शाखा और अभियोजन कार्यालय समेत पुलिस अधिकारी चुप क्यों बैठे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023